देशभर में मानसून सक्रिय, कर्नाटक, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली समेत कई राज्यों में भारी बारिश के आसार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

देशभर में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय हो गया है। कई राज्यों में आज झमाझम बारिश होने का अनुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि आज देश के उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों में कई स्थानों पर तेज बारिश, गरज-चमक और तूफानी हवाओं का असर देखने को मिलेगा।

आईएमडी के अनुसार तटीय कर्नाटक, गुजरात, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर अत्यधिक वर्षा हो सकती है।इसके मद्देनजर स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इन क्षेत्रों में जलभराव, भूस्खलन और यातायात में बाधा की संभावना भी बनी हुई है।

अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, बिहार, छत्तीसगढ़, पूर्वी राजस्थान, आंतरिक कर्नाटक, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सौराष्ट्र एवं कच्छ, विदर्भ, पश्चिम बंगाल और सिक्किम जैसे क्षेत्रों में भी भारी वर्षा की आशंका है।इन क्षेत्रों में बिजली चमकने की घटनाएं भी हो सकती हैं। केरल, लक्षद्वीप और उत्तराखंड में कहीं-कहीं तेजहवाओं के साथ बिजली गिरने और गर्जन-तर्जन की चेतावनी जारी की गई है, जहां हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, पश्चिम बंगाल, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, झारखंड, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, ओडिशा, राजस्थान और पश्चिम मध्य प्रदेश जैसे इलाकों में बिजली और गरज के साथ वर्षा होने की संभावना है। इन इलाकों में हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक, पूर्वी मध्य प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, आंतरिक कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, विदर्भ में तूफानी गतिविधियों की चेतावनी दी गई है।

अरब सागर के पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य, उत्तर और दक्षिणी हिस्सों में भी समुद्री गतिविधियों में तीव्रता देखने को मिलेगी, जहां हवाओं की गति 45 से 55 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है और कुछ स्थानों पर यह 65 किमी प्रति घंटे तक भी हो सकती है।

पूर्व-मध्य और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी, कोंकण, गोवा, कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों और ओडिशा व पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों में भी तेजहवाएं चलने की संभावना है।इन क्षेत्रों में समुद्री गतिविधियों में बाधा आ सकती है और मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

संविधान को तोड़ना कांग्रेस के डीएनए में शामिल: नायब सैनी

आपातकाल के दौरान संविधान और लोकतंत्र का एक बार स्मरण नहीं किया गया

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संविधान को तोड़ना कांग्रेस के डीएनए में शामिल है और वे संविधान को बचाने की दुहाई देते हैं, जबकि वे आज भी उनकी सरकार बनने के बाद धारा 370 को वापिस करने जैसे बयान देकर भी संविधान को कुचलने का प्रयास कर रहे हैं।वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद से पिछले 11 वर्षों में ये देश संविधान के अनुरूप चला है और असल मायने में आजाद भारत को लोगों ने देखा है।

मुख्यमंत्री करनाल में भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय- देश में आपातकाल लगाए जाने के 50 साल पूर्ण होने पर संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब हमारा देश अंग्रेजों की गुलामी का दंश झेल रहा था, उस समय हमारे देश के नायकों ने अपना बलिदान दिया ताकि आने वाली पीढ़ियां खुली हवा में साँस ले सकें, लेकिन उस समय किसी को यह नहीं पता था कि देश एक ऐसा दौर भी देखेगा, जब पवित्र संविधान की हत्या की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 जून का दिन हम सबको याद कराता है कि उस समय कैसे रात के 12 बजे सरकार द्वारा इमरजेंसी का आदेश पारित होता है और आम लोगों को यातनाएं देते हुए पकड़ लिया जाता है। उन पर किए गए अत्याचारों से आज भी हमारे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। यह आदेश उस सरकार की अपनी इच्छाशक्ति को पूरा करने के लिए जारी किया गया था। यह एक सोची-समझी साजिश के तहत किया गया था। देश के पवित्र संविधान को अपने स्वार्थ के लिए कुचल दिया गया। इमरजेंसी के दौरान संविधान और लोकतंत्र का एक बार भी स्मरण नहीं किया गया। किस प्रकार नेताओं और अपनी आवाज को बुलंद करने वाले लेखकों पर अत्याचार किए गए, उनको जेलों में बंद कर दिया गया, ताकि वे सरकार के खिलाफ कुछ न लिख सकें।

उन्होंने कहा कि जब भारत अंग्रेजों से आजाद हुआ तो देश में छोटी-छोटी 562 रियासतें थी और इन 562 रियासतों को एकजुट करने का काम सरदार वल्लभभाई पटेल को दिया गया और उन्होंने सभी रियासतों को एकजुट करने का काम किया। वहीं, सिर्फ एक रियासत की जिम्मेवारी पंडित जवाहरलाल नेहरू को सौंपी गई थी, जिसका परिणाम सब जानते हैं।

संविधान की रक्षा की बात करने वालों की पीढ़ियों ने भी कभी संविधान का सम्मान नहीं किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने कभी संविधान का सम्मान नहीं किया और उनके नेता लोकतंत्र के मंदिर संसद में खड़े होकर बिल को फाड़ कर संविधान का अपमान करते है। संविधान की रक्षा की बात करने वालों की पीढ़ियों ने भी कभी संविधान का सम्मान नहीं किया। कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण ही लोगों को प्रताड़नाओं का दंश झेलना पड़ा और इन गलत नीतियों के कारण ही आज लोगों ने कांग्रेस को साफ कर दिया है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि उस समय की सरकार ने जम्मू - कश्मीर के अंदर जाने के लिए परमिट प्रथा शुरू की। सरकार की क्या सोच थी कि उस हिस्से को देश से अलग करना चाहते थे। परंतु डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने परमिट प्रथा का विरोध किया और कहा कि इस देश में दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे। वे यात्रा लेकर निकल पड़े और बिना परमिट के जम्मू -कश्मीर में चले गए। उन्हें अपनी कुबार्नी देनी पड़ी, तब जाकर परमिट प्रथा समाप्त हुई, लेकिन उसके बाद भी लंबे समय तक इस देश में दो संविधान, दो प्रधान और दो निशान चलते रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने धारा - 370 को समाप्त कर एक संविधान, एक प्रधान और एक निशान के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को पूरा किया।

2047 तक क्रांतिकारी वीरों के सपनों का भारत बनाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजाद भारत के बाद जिस गति से देश आगे बढ़ना चाहिए था, उस गति से नहीं बढ़ा। कांग्रेस के 55 साल और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 साल के कार्यकाल में विकसित भारत के अंतर को साफ देखा जा सकता है। लेकिन कांग्रेस को यह अंतर नजर नहीं आ रहा, वे केवल संविधान की किताब उठाकर घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ये देश बदला है और गति से आगे बढ़ रहा है। जिन नायकों ने देश को आजाद करवाने के लिए अपनी कुर्बानियां दी, उनके सपनों का भारत बन रहा है। प्रधानमंत्री ने संकल्प लिया है कि जब आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे तो भारत विकसित राष्ट्र बने और इस संकल्प की सिद्धि में देश के हर व्यक्ति के योगदान की आवश्यकता है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने तक सीमित नहीं है, लोकतंत्र एक जीवनशैली है, एक बहुमूल्य प्रणाली है। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्गों को 25 जून 1975 को घोषित की गई इमरजेंसी के बारे में पीढ़ियों को अवगत कराना चाहिए।

आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय, इसे देश भूले नहीं: शाह

प्रधानमंत्री मोदी की पुस्तक द इमरजेंसी डायरीज का विमोचन, आपातकाल के संघर्ष की कहानी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को संविधान हत्या दिवस पर कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय था, जिसे देश को हमेशा याद रखना चाहिए ताकि वह त्रासदी दोबारा न दोहराई जाए। अमित शाह देश में आपातकाल लागू होने के 50 वर्ष पूरे होने पर दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में आयोजित 'संविधान हत्या दिवस' कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि 25 जून 1975 की रात लगाए गए आपातकाल ने संविधान की आत्मा को कुचलने का काम किया था। देश को एक जेलखाना बना दिया गया था, न्यायपालिका को मौन कर दिया गया था और प्रेस की कलम से स्याही छीन ली गई थी।इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखित पुस्तक द इमरजेंसी डायरीजः ईयर दैट फोर्ज्ड आवर लीडर्स का विमोचन भी किया गया। शाह ने बताया कि यह पुस्तक नरेन्द्र मोदी के आपातकाल के दौरान एक 24-25 वर्षीय युवा संघ प्रचारक के रूप में भूमिगत संघर्ष, मीसा बंदियों की मदद और गुप्त समाचार पत्रों के वितरण जैसे प्रयासों को दशार्ती है। प्रधानमंत्री मोदी ने साधु, सरदारजी, हिप्पी, अगरबत्ती या अखबार विक्रेता के रूप में जमीन पर काम किया। उन्होंने युवाओं से इस पुस्तक को अवश्य पढ़ने की अपील की।

अमित शाह ने कहा कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस की सत्ता ने एक विचार स्थापित करने की कोशिश की थी- राष्ट्र से बड़ी पार्टी, पार्टी से बड़ा परिवार और परिवार से बड़ा व्यक्ति। इसके उलट आज भारतप्रथम की सोच देशवासियों में जागृत हुई है, जो 19 महीने जेल में बंद लोकतंत्र रक्षकों की कुबार्नी का परिणाम है। शाह ने कहा कि इतिहास केवल घटनाएं नहीं बताता, बल्कि नीयत और दृष्टिकोण को भी सामने लाता है। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा गहन विमर्श के बाद बनाए गए संविधान की भावना को सिर्फ एक वाक्य में खत्म करने का प्रयास किया गया- ह्रराष्ट्रपति ने आपातकाल की घोषणा की है।

उन्होंने युवाओं से आान किया कि वे इस काले अध्याय को जानें, समझें और दूसरों को भी जागरूक करें ताकि फिर कोई तानाशाह संविधान को रौंदने की हिम्मत न कर सके। कार्यक्रम में एक विशेष प्रदर्शनी लगाई गई और लोकतंत्र अमर रहे यात्रा को रवाना किया गया, जो देशभर में जनजागरण करेगी।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में बिक्रमजीत मजीठिया गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ने पूर्व अकाली मंत्री बिक्रम मजीठिया को आय से अधिक संपत्ति के मामले में अमृतसर से गिरफ्तार किया गया है। मजीठिया के विरूद्ध मंगलवार की देररात मामला दर्ज किया गया था। मजीठिया की गिरफ्तारी की खबर सुनते ही पंजाब में कई जगह अकाली कार्यकताओं ने प्रदर्शन भी किया। विजिलेंस की टीम बुधवार सुबह एसएसपी लखबीर सिंह की अगुआई में मजीठिया के अमृतसर में ग्रीन एवेन्यू स्थित घर पर पहुंची। जहां कई घंटे तक सर्च के बाद मजीठिया को गिरफ्तार कर लिया गया। मजीठिया को गिरफ्तार करने से पहले अमृतसर में उनके आवास की तरफ जाने वाले सभी रास्तों को पुलिस ने सील कर दिया और भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया। विजिलेंस ब्यूरो मजीठिया को देर शाम मोहाली कोर्ट में पेश करेगा। विजिलेंस ने बिक्रम मजीठिया के घर से मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, डायरियां और अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं।

मजीठिया ने कहा कि सारी कार्रवाई राजनीतिक बदले की भावना से की जा रही है। मजीठिया की विधायक पत्नी गनीव कौर ने कहा कि विजिलेंस टीम ने घर में जबरन घुसकर धक्का-मुक्की की है। विजिलेंस ब्यूरो ने अभी तक इस संबंध में अधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। आम आदमी पार्टी की ओर जारी एक बयान में कहा गया है कि अमृतसर में 11, तरनतारन-4, संगरूर 3 और लुधियाना में 2 जगह पर विजिलेंस की छापेमारी की गई है। मजीठिया की गिरफ्तारी पर पंजाब के मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब में 'युद्ध नशा के विरुद्ध' एक बहुत बड़ा अभियान चल रहा है। जब अकाली दल और भाजपा सत्ता में थे, जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी। तब इन लोगों ने नशा बेचा और पंजाब के युवाओं को नशे की ओर धकेला। इन्होंने पंजाब के लोगों को नशे की लत लगाने का काम किया। आम आदमी पार्टी की सरकार इसके खिलाफ लड़ रही है। -संबंधित पेज 5 पर

आपातकाल के 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस की मानसिकता वैसी ही: नड्डा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आज संविधान हत्या दिवस मना रही है। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीयमंत्री जेपी नड्डा ने एक्स पर अपने वीडियो संदेश में कांग्रेस पर निशाना साधा। नड्डा ने कहा कि 25 जून, 1975 की आधी रात तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोपा। देश के संविधान की हत्या कर दी। 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है। उसकी नीयत आज भी तानाशाही वाली है।

उन्होंने कहा कि 1975 में कोर्ट ने इंदिरा गांधी को चुनाव में आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी ठहराया और उन्हें 6 वर्षों तक किसी भी निर्वाचित पद पर रहने से अयोग्य करार दिया। रातों-रात प्रेस की बिजली काटी गई, सारे विपक्ष को जेल में डाल दिया गया, प्रेस से आजादी छीन ली गई, अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को रौंदा गया। संसद, न्यायपालिका को अपंग बना दिया गया और 26 जून की सुबह देश पर कांग्रेस की तानाशाही सरकार ने आपातकाल थोप दिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में कानून व्यवस्था का हाल आज भी वही है, जो आपातकाल में था- विरोध का दमन, धार्मिक तुष्टीकरण और सत्ता का अहंकार खुलेआम दिखता है। आपातकाल में विपक्षी नेताओं को जेल भेजे जाने को याद करते हुए नड्डा ने कहा कि मोदी ने आरएसएस पदाधिकारी के रूप में तब सरकार की अवहेलना की थी और कांग्रेस की ज्यादतियों के बारे में लोगों में जागरुकता फैलाई थी। आपातकाल और उसके परिणामों की स्मृति को जीवित रखना आवश्यक है। इंदिरा गांधी ने देश को परिवारवाद और व्यक्ति पूजा की प्रयोगशाला में बदल दिया था।

मुख्यमंत्री ने संविधान हत्या दिवस के अवसर पर आयोजित भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय विषयक संगोष्ठी को सम्बोधित किया

योगी आदित्यनाथ ने लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित तथा आपातकाल की त्रासदी पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

संवाददाता
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि 15 अगस्त, सन् 1947 को भारत आजाद हुआ।26 नवम्बर, 1949 को डॉ0 भीमराव आम्बेडकर जी के द्वारा भारत के संविधान का ड्राफ्ट तैयार कर संविधान सभा को सौंपा गया। 26 जनवरी, 1950 को देश ने अपना संविधान अंगीकार किया और उसे लागू किया। भारत ने अपने यहां बहुदलीय लोकतांत्रिक संसदीय पद्धति को लागू किया। भारत के लोकतंत्र की यह खूबी है कि उसने भारत के हर वयस्क मतदाता को, चाहे वह किसी भी जाति, मत, मजहब अथवा सम्प्रदाय का हो, समान रूप से मताधिकार की पूरी स्वतंत्रता दी है। भारत के संविधान ने प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकार दिए हैं।

मुख्यमंत्री जी आज यहां लोक भवन सभागार में आपातकाल की 50वीं बरसी संविधान हत्या दिवस के अवसर पर आयोजित भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय विषयक संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इससे पूर्व, उन्होंने आपातकाल की त्रासदी पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री जी ने लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान भी किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारतीय संविधान दुनिया का सबसे बड़ा संविधान माना जाता है। हमें दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव प्राप्त है। लोकतंत्र की जननी भारत दुनिया में अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखता है। सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद 15 अगस्त, 1947 को देश को आजादी मिली। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा क्रान्तिकारियों ने अपना बलिदान देकर देश को आजाद कराया और स्वाधीनता के लिए अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया। लेकिन भारत के बारे में उनका जो सपना था, आजादी के बाद एक परिवार ने उस सपने को अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों की प्रतिपूर्ति का एक माध्यम बना लिया था। आज भी अक्सर उस परिवार की मोह-माया से व्यवस्था जकड़ी हुई दिखायी देती है। इस सच्चाई को सामने लाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जिस संविधान को लागू करने तथा लोकतंत्र की स्थापना के लिए विद्यार्थी, युवा, महिला-पुरूष सहित समाज के प्रत्येक तबके के व्यक्तियों ने अनगिनत बलिदान दिये थे, बाबा साहब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर ने अनेक अपमान सहने के बाद भी पूरी बुद्धिमता से जिस संविधान का ड्राफ्ट तैयार कर भारत के नागरिकों को सौंपा था, 25 जून, 1975 को उसी संविधान का गला घोंटने में काँग्रेस को थोड़ा भी समय नहीं लगा। क्या कोई व्यक्ति देश से बड़ा हो सकता है। देश के क्रान्तिकारी नारा देते थे, तेरा वैभव अमर रहे माँ, हम दिन चार रहें न रहें। काँग्रेस ने उस स्वप्न को चकनाचूर कर दिया और कहा कि मेरी सत्ता बनी रहे, चाहें लोकतंत्र रहे न रहे। आज ही के दिन 50 वर्ष पूर्व काँग्रेस ने भारत के संविधान का गला घोंटने का काम किया था। यह हम भारत के लोग का जो संकल्प भारत के संविधान की प्रस्तावना में दिया गया है, ऐसे भारत के नागरिकों की भावनाओं पर कुठाराघात था।

हिमाचल में जल्द होगा मंत्रिमंडल विस्तार, प्रतिभा सिंह के अध्यक्ष बने रहने पर नहीं आपत्ति : सुक्खू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर जल्द फैसले के संकेत दिए हैं। राज्य में कांग्रेस सरकार के गठन के बाद से मंत्री का एक पद रिक्त है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द किया जाएगा।

साथ ही उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के अध्यक्ष बने रहने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। सुक्खू ने कहा कि प्रतिभा सिंह ने बतौर अध्यक्ष अच्छा कार्य किया है और यदि पार्टी उन्हें दोबारा जिम्मेदारी देती है तो वे पूरी तरह समर्थन में हैं।

प्रतिभा सिंह का बतौर अध्यक्ष कार्यकाल पूरा हो चुका है। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री सुक्खू ने केंद्र की भाजपा सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा जिस आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर हमला करती है, वही भाजपा आज खुद संविधान की आत्मा को कुचल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लोकतंत्र की स्थापना की और संविधान दिया, लेकिन भाजपा अब उसी संविधान को तोड़कर हत्या दिवस मना रही है।

मुख्यमंत्री ने राज्य में मानसून की तैयारियों पर भी कहा कि राज्य सरकार ने हर ज़िले में आपदा प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए हैं।

उन्होंने देशभर के पर्यटकों से हिमाचल आने का आग्रह करते हुए कहा कि पर्यटक बिना किसी भय के हिमाचल आएं। राज्य पूरी तरह तैयार है। वर्ष 2023 में भी हमने हजारों पर्यटकों को सुरक्षित निकाला था, इस बार और बेहतर व्यवस्था है। साथ ही उन्होंने पर्यटकों से अपील की कि वे नदी-नालों से दूर रहें और शहरी व सुरक्षित पर्यटन स्थलों का आनंद लें।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने बीबीएमबी (भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड) से जुड़े वर्षों पुराने विवाद पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद हिमाचल को बीबीएमबी प्रोजेक्ट्स में 12 फीसदी फ्री रॉयल्टी नहीं मिल रही है, जबकि इन परियोजनाओं में हिमाचल के संसाधनों का उपयोग हो रहा है। उन्होंने कहा कि एसजेवीएनएल और एनएचपीसी जब 12 फीसदी रोयल्टी हिमाचल को दे सकता है तो बीबीएमबी क्यों नहीं दे सकता है जबकि हिमाचल प्रदेश के संसाधनों का इन प्रोजेक्ट्स में इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने केंद्र से इस मुद्दे को उठाया है और अगर हिमाचल प्रदेश को उसका अधिकार मिल गया होता तो हिमाचल समृद्ध राज्य बन गया होता। सुक्खू ने दो टूक कहा कि कांग्रेस सरकार हिमाचल के अधिकार के लिए पूरी ताकत से लड़ाई लड़ रही है और यह केवल रॉयल्टी नहीं, बल्कि प्रदेश के सम्मान और हक की बात है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने बाबा बंदा सिंह बहादुर के बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने महान सेनानायक बाबा बंदा सिंह बहादुर के बलिदान दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने अपने संदेश में कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर शौर्य, त्याग और देशभक्ति की जीवंत मिसाल थे। उनका संपूर्ण जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और सच्चाई के लिए समर्पण का प्रतीक रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी वीरगाथा आने वाली पीढ़ियों को सच्चाई के पथ पर अडिग रहने, अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाने और मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उनके अद्वितीय बलिदान और योगदान को सदा श्रद्धा से याद करता रहेगा।

तवी नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने के बाद फंसे नौ लोगों को पुलिस और एसडीआरएफ ने बचाया

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

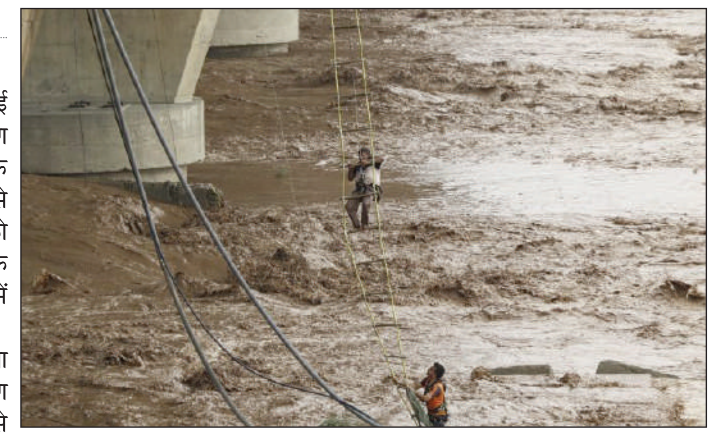

जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में हुई बारिश के कारण तवी नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने के बाद फंसे नौ लोगों को बुधवार को पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों ने संयुक्त अभियान में बचा लिया।

अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण आज सुबह तीन घंटे से अधिक समय तक जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित रहा जबकि राजौरी जिले में एक नाले के उफान पर आने से कुछ वाहन भी बह गए। उन्होंने बताया कि मदन लाल (52) नामक मजदूर सुबह करीब 8.45 बजे तवी में रेत निकालने गया था लेकिन शहर के ज्वेल चौक पुल के पास अचानक जलस्तर बढ़ने के कारण फंस गया। अधिकारियों ने बताया कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के कर्मियों ने उसे बचाया जिन्होंने पुल से सीढ़ी उतारी और करीब दो घंटे तक फंसे रहने के बाद उसे बाहर निकाला।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस, यातायात पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय स्वयंसेवकों के संयुक्त अभियान में पिंडदान करने गए कुछ लोगों समेत आठ और लोगों को बचा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान कई फंसे हुए घोड़ों को भी बचाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि राजौरी शहर के खेओरा, लोअर जवाहर नगर और थुडी में उफान पर आई नदी के कारण बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई जबकि नदी के किनारे खड़े कुछ वाहन भी बह गए। मौसम विभाग के अनुसार रियासी जिले के कटरा शहर में सबसे अधिक 108.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, इसके बाद राजौरी (80 मिमी), उधमपुर जिले (71.4 मिमी), पुंछ पिछले 24 घंटों के दौरान जम्मू संभाग में 48 मिमी और रामबन में 47.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने 27 जून तक जम्मू संभाग के कई स्थानों पर रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना जताई है। साथ ही कुछ स्थानों पर भारी बारिश की भी संभावना जताई है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात करीब तीन घंटे तक बाधित रहने के बाद बहाल

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

रामबन जिले में रात भर हुई बारिश के कारण हुए भूस्खलन और मिट्टी धंसने के कारण बुधवार सुबह जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात करीब तीन घंटे तक बाधित रहने के बाद बहाल कर दिया गया है।

यातायात अधिकारियों के अनुसार आज सुबह रामबन सेक्टर में मेहद और टी2 मरूग में भूस्खलन हुआ जिससे कश्मीर घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले रणनीतिक राजमार्ग के दोनों ओर यातायात अवरुद्ध हो गया।

चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के बावजूद सड़क साफ करने का काम किया गया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि सुबह करीब तीन घंटे बंद रहने के बाद राजमार्ग को यातायात के लिए साफ कर दिया गया और फंसे हुए वाहनों को जाने की अनुमति दे दी गई।

अधिकारियों ने यात्रियों को यात्रा शुरू करने से पहले मौसम और यातायात संबंधी सलाह के बारे में अपडेट रहने की सलाह दी है क्योंकि बारिश के मौसम में राजमार्ग पर अक्सर व्यवधान की आशंका बनी रहती है।

सीएम ने एचआइवी, एसटीआई, टीबी और हेपेटाइटिस संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 12 ई-स्कूटरों को झंडी दिखाकर रवाना किया

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज ओक ओवर शिमला से 12 ई-स्कूटरों को झंडी दिखाकर रवाना किया। हिमाचल प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा स्वास्थ्य विभाग को प्रदान किए गए इन ई-स्कूटरों को प्रदेश के आठ जिलों में तैनात किया जाएगा। सरकार की इस पहल का उद्देश्य घर-द्वार के निकट एचआइवी, एसटीआई, टीबी और हेपेटाइटिस से ग्रसित मरीजों को दवाईयां, जांच और परामर्श की बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाना है। प्रदेश में कोई भी व्यक्ति बेहतर उपचार सुविधा से वंचित न रहे इसके दृष्टिगत हिमाचल में पहली बार इस तरह का समर्पित प्रयास किया गया है। सरकार के इस संवेदनशील निर्णय से इन बीमारी से ग्रसित मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी और उन्हें दवाई की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी जिससे वे स्वस्थ्य जीवन व्यतीत कर सकेंगे। स्वास्थ्य विभाग और राज्य एड्स नियंत्रण समिति की इस पहल की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रेड रिबन क्लब, युवा, शैक्षणिक संस्थान और गैर सरकारी संस्थाएं एचआइवी के बारे में लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। प्रदेश को एचआइवी मुक्त बनाना सरकार और लोगों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह ई-स्कूटर सरकार के प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ करेंगे। प्रदेश में 6 हजार से अधिक व्यक्ति एचआइवी से ग्रसित हैं, जिनमें से अधिकांश में इस वायरस का प्रभाव कम है जो सरकार की नीतियों और निरंतर प्रयासों की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत प्रदेश सरकार राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रही है और इसी दिशा में स्वास्थ्य विभाग को ई-स्कूटर प्रदान किए गए हैं।

संक्षिप्त-समाचार

1975 में आपातकाल लागू करना लोकतंत्र की हत्या थी: उपराज्यपाल

श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि 1975 में आपातकाल लागू करना लोकतंत्र की हत्या थी। अपने विचार व्यक्त करते हुए उपराज्यपाल सिन्हा ने उन लोगों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए लड़ाई लड़ी और देश के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले दौर के दौरान संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। एक्स पर एक पोस्ट में उपराज्यपाल ने कहा कि 25 जून 1975 को आपातकाल लागू करना संविधान की हत्या थी। संविधान हत्या दिवस पर मैं उन लाखों सत्याग्रहियों को श्रद्धांजलि देता हूं जिन्होंने लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए लड़ाई लड़ी और भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले दौर के दौरान संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखा। भारत में आपातकाल 1975 से 1977 तक 21 महीने की अवधि थी जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आंतरिक और बाहरी खतरों का हवाला देते हुए पूरे देश में आपातकाल की घोषणा की थी।

श्रीनगर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कुख्यात ड्रग तस्कर की 1 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

श्रीनगर। श्रीनगर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत करनाबल के तकनवारी निवासी कुख्यात ड्रग तस्कर परवेज अहमद भट की लगभग 1 करोड़ की आवासीय संपत्ति कुर्क की है। इस कार्रवाई का उद्देश्य नशीले पदार्थों के तस्करों के वित्तीय ढांचे को ध्वस्त करना और समुदाय को नशीली दवाओं के व्यापार से उत्पन्न खतरे से बचाना है। श्रीनगर पुलिस ने एक आवासीय संपत्ति कुर्क की है जिसमें जमीन के साथ एक दो मंजिला घर शामिल है जिसकी कीमत लगभग 1 करोड़ है जो कुख्यात ड्रग तस्कर परवेज अहमद भट तकनवारी, करनाबल का निवासी है। आरोपी पुलिस स्टेशन संगम में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8, 20 और 29 के तहत केस एफआईआर संख्या 02/2024 में शामिल है। यह पाया गया है कि उक्त संपत्ति अवैध मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित की गई है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सुचेता कृपलानी को जयंती पर किया नमन

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री और स्वतंत्रता सेनानी सुचेता कृपलानी की जयंती पर उन्हें सादर नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि सुचेता कृपलानी ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान अद्वितीय साहस और नेतृत्व का परिचय दिया। उन्होंने 1940 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महिला विंग की स्थापना कर महिलाओं को राजनीति में सम्मानजनक स्थान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके योगदान को देश हमेशा कृतज्ञता से याद करेगा। उनका जीवन और संघर्ष आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है।

तकनीकी विवि: बी फामेर्सी, बी आर्क के अंतिम सेमेस्टर का परिणाम घोषित

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने बी फामेर्सी (एलोपैथी) अंतिम सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया है। बी फामेर्सी आठवें सेमेस्टर की मई-2025 में आयोजित परीक्षा में 1346 परीक्षार्थी बैठे थे, जिसमें से 1257 उतीर्ण हुए हैं। बी फामेर्सी के अंतिम सेमेस्टर के शैक्षणिक सत्र 2021-25 की ओवरऑल टॉपर श्रुति वर्मा, दूसरे स्थान पर कुमारी साक्षी और तीसरे स्थान पर अपर्णा शर्मा रही। बी फामेर्सी (आयुर्वेद) में किरण कुमारी ने पहला, सलोनी ने दूसरा और मान्या शर्मा ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं, बी आर्क अंतिम सेमेस्टर में दीक्षित वर्मा पहले, विदुषी कटोच दूसरे और आकांक्षा गुप्ता तीसरे स्थान पर रही। तकनीकी विवि के परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि बी फामेर्सी अंतिम सेमेस्टर के नियमित और री-अपीयर का परिणाम घोषित किया है। परीक्षार्थी तकनीकी विवि की वेबसाइट पर परिणाम देख सकते हैं।

पेंशनभोगियों एक जुलाई से 30 सितम्बर तक अनिवार्य रूप से जमा करें जीवन प्रमाण-पत्र

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार के वित्त विभाग एवं कोष नियमावली के अनुसार राज्य के सभी पेंशनभोगियों को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपना जीवन प्रमाण-पत्र 1 जुलाई से 30 सितम्बर, 2025 के बीच अनिवार्य रूप से जमा करवाना होगा। विभागीय प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पेंशनभोगी अपने जीवन प्रमाण-पत्र को वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। इस प्रमाण-पत्र को संबंधित पटवारी, पंचायत सचिव, बैंक प्रबंधक या हिमाचल प्रदेश सरकार के किसी भी राजपत्रित अधिकारी से सत्यापित करवा कर राज्य के किसी भी कोषागार कार्यालय में जमा किया जा सकता है।

हिमाचल के सबसे बड़े वाहन ठगी मामले के मुख्य सरगना की संपत्ति होगी सीज

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

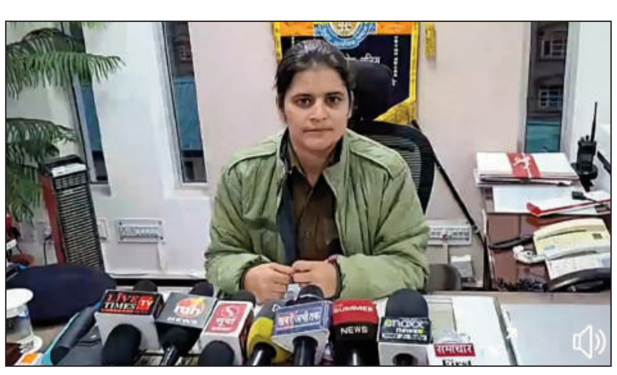

हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े वाहन ठगी मामले के मुख्य सरगना नगरोटा बगवां निवासी सहित अन्य आरोपियों की संपति जल्द ही सीज की जाएगी। कांगड़ा पुलिस ने इसके लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। हिमाचल के सबसे बड़े वाहन ठगी के इस मामले में ठग गिरोह ने 120 गाड़ियों को बड़ी ही चतुराई से बाहरी राज्यों में बेच डाला था। इस मामले में अभी तक पुलिस सिर्फ 30 से 35 वाहन ही बरामद कर पाई है। जबकि अब अन्य वाहनों का आरोपी कोई सुराग ही नहीं दे पा रहे हैं। जिससे अब पुलिस उक्त आरोपियों की सपंति सीज करने में जुट गई है। बाहरी राज्यों के फ्रॉड नंबर प्लेट लगाकर बेचने व कंपनियों में लगाने के खेल में अब कांगड़ा जिला के नगरोटा बगवां उपमंडल के बलधर निवासी मुख्य आरोपी के इर्द-गिर्द जांच घूम रही है। उक्त आरोपी की संपति की मैपिंग कर उसे पुलिस की ओर से जल्द ही सीज किया जाएगा। गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, ऊना व हमीरपुर सहित अन्य जिलों से 120 से अधिक गाड़ियां चोर गिरोह ने बंटी और बबली स्टाईल में चोरी करने का कारनामा किया था। जिसमें जिला कांगड़ा में ही छह से सात मामले दर्ज होने के बाद अब 30 से 35 वाहनों को रिकवर भी किया जा चुका है। मामले में गिरोह के मुख्य शातिरों में शुमार कांगड़ा के नगरोटा बगवां, देहरा व जालंधर के आरोपियों को कांगड़ा पुलिस विभाग ने हिरासत में लिया है। उक्त आरोपियों में से नगरोटा बगवां के आरोपी को मुख्य सरगना पाया गया है। इसमें एक ओर बड़ी बात सामने आई है कि कुछ वाहन मध्य व साऊथ इंडिया तक भी पहुंच गए हैं। अब बड़े व लग्जरी स्तर के वाहनों के चोर गिरोह से वाहन वापिस नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसे में अब पुलिस विभाग की ओर से मुख्य सरगना सहित अन्य आरोपियों की संपति को सीज किया जाएगा। उधर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कांगड़ा आईपीएस शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि वाहन ठगी गिरोह से अब चोरी किए गए वाहन वापिस नहीं मिल पा रहे हैं। पुलिस ने अब नगरोटा के बलधर निवासी मुख्य सरगना सहित अन्य आरोपियों की संपति को सीज किए जाने की प्रक्रिया चलाई है।

भारी बारिश और भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए बंद

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

रामबन में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए बंद कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार रामबन जिले के मेहद में भारी बारिश तथा भूस्खलन के कारण मार्ग पर मिट्टी के तोदे गिरने के चलते जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई है। यातायात विभाग ने कहा है कि मौसम साफ होने के बाद ही मार्ग को साफ करने का काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने यात्रियों से फिलहाल अपील की है कि राजमार्ग पर यात्रा न करें और यात्रा शुरू करने से पहले यातायात कंट्रोल रूम से संपर्क कर लें।

मणिकर्ण घाटी में 137 ग्राम चरस के साथ एक गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
कुल्लू

जिला कुल्लू की मणिकर्ण घाटी में पुलिस ने चरस तस्करी के एक मामले में महाराष्ट्र निवासी युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. कार्तिकेयन ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी के खिलाफ मादक द्रव्य अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

यह मामला उस समय सामने आया जब बुधवार सुबह थाना मणिकर्ण की पुलिस टीम मलाणा डैम के समीप बुजीर्धार में देर सायं नाका पर मौजूद थी। इसी दौरान एक व्यक्ति सामने से आया जो पुलिस को देखकर घबरा गया। पुलिस ने उसकी संदिग्ध हरकतों को देखते हुए मौके पर ही दबोच लिया।

तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 137 ग्राम चरस बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सूरज प्रदीप भूते (30) पुत्र प्रदीप भूते, निवासी मकान नंबर 74, अट भोस्ते, तहसील श्रीवर्धन, जिला रायगढ़, महाराष्ट्र के रूप में हुई है।

पुलिस ने चरस की खेप कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

एडीजीपी सशस्त्र ने एपीसी जेवान में सीमा और महिला बटालियनों के कामकाज की समीक्षा की

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

एडीजीपी सशस्त्र जम्मू-कश्मीर आनंद जैन आईपीएस, जुनैद महमूद आईपीएस डीआईजी आईआरपी रेंज कश्मीर और मुनीर हुसैन एसएसपी एपीसीआर कश्मीर के साथ सशस्त्र पुलिस परिसर (एपीसी) जेवान का दौरा किया और परिसर में तैनात सीमा द्वितीय और महिला द्वितीय बटालियनों के कामकाज की समीक्षा की।

एडीजीपी सशस्त्र के आगमन पर सीमा द्वितीय बटालियन की टुकड़ी द्वारा औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने दोनों बटालियनों के मुख्य कार्यालयों का निरीक्षण किया और कार्यालय कर्मचारियों को मौके पर ही निर्देश जारी किए जिसमें बढ़ी हुई दक्षता और पारदर्शिता के लिए ई-ऑफिस प्रणाली को पूरी तरह अपनाने के महत्व पर जोर दिया गया। यात्रा के दौरान एडीजीपी जैन ने राशन स्टोर, मेस, उपकरण स्टोर, यूनिट मैगजीन, बैरक, कोट्स और दोनों बटालियनों के एमटी बेड़े सहित प्रमुख प्रतिष्ठानों का गहन निरीक्षण भी किया। उन्होंने यात्रा ड्यूटी के लिए निर्धारित माउंटेन रेस्क्यू टीम (एमआरटी) का भी निरीक्षण किया। टीम प्रभारी इंस्पेक्टर राम सिंह ने एडीजीपी को श्री अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए तैनाती योजना के बारे में जानकारी दी और विस्तृत विवरण के साथ यात्रा अवधि के दौरान उपयोग किए जाने वाले औजारों/उपकरणों का आवश्यक प्रदर्शन किया। एडीजीपी ने एमआरटी कर्मियों को असाइनमेंट के महत्व को देखते हुए उच्च मानकों को बनाए रखते हुए अत्यंत कुशलता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने की सलाह दी। इस अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा प्रबंधित भारत पेट्रोलियम गैस एजेंसी के कामकाज की भी समीक्षा की गई और बिक्री, आपूर्ति और लाभ के बारे में व्यापक विवरण प्रस्तुत किए गए। इसके बेहतर कामकाज के लिए प्रासंगिक निर्देश पारित किए गए। परिसर में वर्तमान में चल रहे महिला कर्मियों के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का भी निरीक्षण किया गया। एडीजीपी ने कर्मियों के साथ बातचीत की और उन्हें किसी भी वास्तविक शिकायत को साझा करने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि ऐसे मुद्दों को मुख्यालय स्तर पर संबोधित किया जाएगा। कुछ वास्तविक चिंताओं को निवारण के लिए विधिवत नोट किया गया। बाद में बटालियन सभागार में दरबार का आयोजन किया गया।

कमांडेंट बॉर्डर द्वितीय बटालियन आरिफ अमीन शाह एसएसपी ने बटालियन की जनशक्ति, बुनियादी ढांचे और तैनाती की रूपरेखा तैयार करते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

सत्ता का अहंकार और परिवारवाद लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा: नायब सिंह सैनी

25 जून, 1975 को लोकतांत्रिक मयार्दाओं को ताक पर रखकर आपातकाल लागू कर संविधान की आत्मा की कर दी गई थी हत्या

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संविधान हत्या दिवस हमें याद दिलाता है कि सत्ता का अहंकार और परिवारवाद लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है।संविधान देश का सर्वोच्च कानून है, और इसका पालन व रक्षा करना हम सबका परम कर्तव्य है। संविधान के खिलाफ या उसके मूल सिद्धांतों का उल्लंघन करने वाले कृत्यों को हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करनाल में सविधान हत्या दिवस पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि वे आज उन सभी वीरों को नमन करते है, जिन्होंने उस समय तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाई, जेल गए, यातनाएं सहीं, लेकिन झुके नहीं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर ह्यसंविधान हत्या दिवसह्य मना रहा है। 50 वर्ष पहले 25 जून, 1975 को हमारी लोकतांत्रिक मयार्दाओं को ताक पर रखकर आपातकाल लागू कर संविधान की आत्मा की हत्या कर दी गई थी। इसके लिए आंतरिक संकट का हवाला दिया गया, जो दरअसल सत्ता में बने रहने की निजी महत्वाकांक्षा थी। उसके 21 मास बाद तक पूरा देश तानाशाही के चंगुल में रहा।एक मजबूत लोकतंत्र की कल्पना करने वाले लोगों को अपनी महत्वकांक्षा पूरी करने के लिए जेलों में डाल गया और अनेक यातनाएं दी गई। आज संविधान हत्या दिवस मनाने का उद्देश्य देश की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के बारे में आमजन, विशेषकर नई पीढ़ी को निरंतर सजग बनाये रखना है।

उन्होंने कहा कि आपातकाल केवल संवैधानिक संकट नहीं था, वह लोकतंत्र की उस प्रक्रिया पर हमला था, जो अभिव्यक्ति की आजादी, समानता और न्याय का अधिकार देती है। वह हमला था, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उस विचार पर, जिसमें उन्होंने ह्यएक राष्ट्र-एक विधानह्य का नारा दिया और उसके लिए खुद को बलिदान कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के लोग भी इस संघर्ष में पीछे नहीं रहे। अनेक लोगों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग संविधान की किताब लेकर जगह-जगह घूम रहे हैं और संविधान बचाओ का पाखंड कर रहे हैं। वे ही लोग बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के लिखे संविधान को खतरे में बता रहे हैं। एक समय था, जब उन्हीं की पार्टी ने रात के अंधेरे में सरेआम संविधान की हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के राजनैतिक पूर्वजों ने देश पर तानाशाही थोपी, प्रेस का गला घोंटा, नेताओं को जेलों में डाला, जबरन नसबंदी का कहर भरपाया, वे आज किस मुंह से संविधान और लोकतंत्र के रक्षक होने की दुहाई दे रहे हैं।उन्हें लोकतंत्र पर भाषण झाड़ने से पहले लोकतंत्र की हत्या के पाप को स्वीकार करना चाहिए और देश से माफी मांगनी चाहिए।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि उनका ह्यसंविधान बचाओह्य का नारा केवल राजनैतिक अवसरवादिता और सत्ता की भूख का प्रतीक है। जबकि वर्तमान सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में संविधान को सर्वोपरि मानकर ह्यसबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्य की लोकतांत्रिक भावना पर चल रही है।हमारी सरकार का हर कदम संविधान को मजबूत करने वाला है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है कि हम अपने लोकतांत्रिक आदर्शों और संविधान को सर्वोपरि मानते हैं। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी ने उस समय लोकतंत्र को कुचला, वही आज फिर से संविधान की दुहाई देकर समाज में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने दावा किया था कि यदि भाजपा सत्ता में लौटती है, तो वह संविधान को खत्म कर देगी। संविधान और लोकतंत्र को बार-बार अपमानित करने की उनकी समझ को देश की जनता ने करारा जवाब दिया। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को जनादेश दिया। कांग्रेस का इतिहास इस बात का गवाह है कि उसने धारा-370 जैसी विभाजनकारी व्यवस्था को बनाए रखा, 90 से अधिक बार धारा-356 का दुरुपयोग कर राज्य सरकारों को बर्खास्त किया और 75 बार से भी अधिक संविधान में संशोधन कर अपने राजनीतिक हितों को साधने का काम किया।उनके लिए संविधान कोई आदर्श नहीं, बल्कि एक राजनीतिक औजार रहा है। जब भी उन्हें अपनी सत्ता को चुनौती महसूस हुई, उन्होंने संविधान के मूल्यों को बलिदान कर दिया।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने देश की एकता, अखंडता को मजबूत करने से लेकर दुश्मनों से देश की सुरक्षा करने के ऐतिहासिक उदाहरण जनता को दिए हैं। जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के ह्यएक राष्ट्र-एक विधानह्य के सपने को साकार करने की बात हो या ह्यआप्रेशन सिंदूरह्य के माध्यम से पाकिस्तान की धरती पर आतंकवाद व आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाना सुनिश्चित करना, पूरी दुनिया इसका लोहा मान रही है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 में सत्त संभालते ही राज्य सरकार ने हरियाणा में लोकतंत्र सेनानियों की सुध ली और 26 जून, 2015 को रोहतक में पहला ह्यलोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोहह्य आयोजित किया। उस समय हमारी सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में कई घोषणाएं की थीं। उनको अमल में लाते हुए सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों को जीवनसाथी सहित सरकारी कर्मचारियों की तरह चिकित्सा सुविधा देने की व्यवस्था की। हरियाणा रोडवेज की सामान्य बसों में मुफ्त यात्रा और वोल्वो बसों में 75 प्रतिशत किराया माफ किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों के लिए मासिक पेंशन शुरू की, जिसे अब बढ़ाकर 20 हजार रुपये मासिक कर दिया गया है। इस समय प्रदेश में 501 लोकतंत्र सेनानियों व उनकी विधवाओं को पेंशन दी जा रही है।

इस मौके पर विधायक श्री योगेंद्र राणा, श्री भगवान दास कबीरपंथी, करनाल की मेयर श्रीमति रेनू बाला गुप्ता, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण अत्रे सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

आरती राव ने अभिमन्यु सिंह के माता के निधन पर संवेदना जताई

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने रोहतक में पूर्व कैबिनेट मंत्री कैप्टन अभिमन्यु के आवास पर जाकर उनकी माता स्वर्गीय श्रीमती परमेश्वरी देवी के निधन पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। इस क्षति पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मंत्री ने दिवंगत आत्मा को पुष्पांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के साथ दुख साझा किया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मंत्री ने कहा कि स्वर्गीय श्रीमती परमेश्वरी देवी को उनकी सादगी और पारिवारिक मूल्यों के लिए बहुत सम्मान दिया जाता था।

प्रदेश के हर जिला मुख्यालय पर सरकारी अस्पताल में हर बीमारी का होगा नि:शुल्क इलाज: नायब सैनी

संवाददाता
लाडवा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा के हर जिला मुख्यालय के एक सरकारी अस्पताल में हर प्रकार की बीमारी का निःशुल्क ईलाज किया जाएगा। इस प्रदेश में जिला मुख्यालय के सरकारी अस्पताल में निःशुल्क ईलाज करने की योजना 15 अगस्त को शुरू हो जाएगी। इन अस्पतालों को तमाम सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इन राजकीय अस्पतालों में मरीजों को आयुष्मान योजना के तहत भी ईलाज की सुविधा मिलेगी। इतना ही नहीं इन जिला मुख्यालय के सरकारी अस्पतालों में एक कमेटी का भी गठन होगा। यह कमेटी ही मरीज को पीजीआई या अन्य उच्च स्तरीय अस्पताल के लिए रैफेर करेगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को गांव किशनपुरा के सामुदायिक केंद्र और गिरदारपुर के गुरुद्वारा साहिब के सभागार में ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद कर रहे थे। इन गांवों में मुख्यमंत्री ने लोगों के बीच बैठकर समस्याओं को सुना और उनका समाधान करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इन गांवों में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लोगों के साथ मिलकर पौधा रोपण भी किया। इन कार्यक्रमों के दौरान मुख्यमंत्री ने गांव किशनपुरा और गिरदारपुरा में विकास कार्यों के लिए 21-21 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की घोषणा भी की है। इसके साथ ही गांव किशनपुरा में सरपंच संजीव कुमार द्वारा रखी गई 15 मांगों और गिरदारपुरा में सरपंच द्वारा रखी गई सभी मांगों को विभाग के माध्यम से पूरी की जाएंगी। उन्होंने कहा कि लाडवा विधानसभा की जनता के कारण विधायक बने और आज मुख्यमंत्री के पद पर है। अब लाडवा को हरियाणा में बड़े श्रद्धा के साथ देखते हैं। सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वह हल्का की जनता की समस्याओं को सुनकर तुरंत समाधान करें। इस जिले में अधिकारी भी निर्देश की पालना बखूबी कर रहे हैं। पिछले करीब 4 महीने में लाडवा

विधानसभा में 110 करोड़ रुपए के विकास कार्य के काम चल रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने किसानों की चिंता करते हुए सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदने का काम किया है। इसके अलावा भावांतर भरपाई योजना के तहत फसल के मूल्य के अंतर को पूरा करने का काम कर रही है। साथ ही गरीबों के लिए आवास उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जा रही है। भाजपा सरकार हरियाणा प्रदेश में मिशन मोड में काम कर रही है।

सैनी ने कहा कि यह कार्यक्रम हल्का वासियों को मिलने के लिए तय किया गया है। जिस किसी भी परिवार की कोई शिकायत है, वह अपनी लिखित शिकायत दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी समय अपनी शिकायत को उपायुक्त नेहा सिंह, संबंधित अधिकारियों और मुख्यमंत्री कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी को दे सकते हैं। यदि कोई इमरजेंसी है तो चंडीगढ़ आकर भी मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोगों ने उनको बहुत अधिक प्यार और सम्मान दिया। उसी सम्मान की बदौलत ही प्रदेश में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आई है। प्रदेश के कार्यक्रमों के तहत जब भी समय मिलता है तब ही लाडवा के गांव का कार्यक्रम बनाकर हल्के की जनता के बीच पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि वोटिंग के बाद पहली बार आपके गांव में पहुंचा हूं। सरकार बनाने में सहयोग करने पर गांव के सभी लोगों का धन्यवाद करता हूं।

सैनी ने कहा कि आज संविधान हत्या दिवस के 50 वर्ष पूरे हुए हैं। यह वो दिन है, जब 50 साल पहले इमरजेंसी घोषित की गई थी जो आजादी के बाद सबसे बड़ा और अंग्रेजों के बराबर का अत्याचार रहा है। हर व्यक्ति को भय बना हुआ था। इस मौके पर मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, भाजपा जिला अध्यक्ष तिजेंदर सिंह गोल्डी, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, सरपंच किशनपुरा संजीव, सरपंच गिरदारपुर गुरमीत कौर, सरदार हरमेहर सिंह, बरखा राम, नायब सिंह पटाक माजरा, देवेंद्र सिंह, जोगिंदर सिंह, अवतार सिंह, पूनम सैनी, मोनिका बंसल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हरियाणा पासपोर्ट सेवा केंद्रों की तर्ज पर पंजीकरण कार्यालयों का आधुनिकीकरण करेगा: डॉ. सुमिता मिश्रा

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार पासपोर्ट सेवा केंद्रों के मॉडल पर राज्य भर के सभी पंजीकरण कार्यालयों का पुनर्गठन करके उनका आधुनिकीकरण करेगी। यह पहल मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की नागरिकों के लिए संपत्ति लेनदेन को आसान बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

डॉ. सुमिता मिश्रा ने यह बात राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कही। डॉ. मिश्रा ने कहा कि यह पहल चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएगी, जिसकी शुरूआत पंचकूला, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे उच्च घनत्व और उच्च लेनदेन वाले जिलों से होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह परिवर्तन केवल बुनियादी ढांचे में सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सेवा वितरण को मजबूत करने, पारदर्शिता को बढ़ावा देने और राजस्व प्रशासन के भीतर जवाबदेही बढ़ाने की व्यापक योजना का हिस्सा है।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि इस नए मॉडल में ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग, अच्छी तरह से सुसज्जित प्रतीक्षा क्षेत्र, वास्तविक समय डिजिटल डिस्प्ले सिस्टम और समर्पित हेल्प डेस्क जैसी नागरिक-केंद्रित विशेषताएं शामिल होंगी। नागरिकों की सहायता के लिए स्थानीय भाषाओं में संकेत और सूचना उपलब्ध कराई जाएगी। पंजीकरण गतिविधियों के दौरान धीमी सर्वर प्रतिक्रिया की लगातार समस्याओं के समाधान के लिए, विशेष रूप से उप-मंडल और तहसील स्तर पर, डॉ. मिश्रा ने 2 पेटाबाइट्स प्रत्येक की भंडारण क्षमता वाले दो राज्य-स्तरीय राजस्व डेटा केंद्रों की स्थापना के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अगले 10 दिनों के भीतर इसके लिए निविदाएं जारी करने के भी निर्देश दिए।

हरियाणा लार्ज स्केल मैपिंग परियोजना की समीक्षा करते हुए डॉ. मिश्रा ने अधिकारियों को अगस्त के अंत तक सभी जिलों में ततिमा अद्यतनीकरण का कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य सटीक भूमि सीमांकन तथा तीव्र एवं विवाद-मुक्त पंजीकरण के लिए महत्वपूर्ण है। ये कदम डिजिटल शासन को बढ़ावा देने, नागरिक सेवाओं में सुधार लाने और भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी संपत्ति पंजीकरण प्रणाली सुनिश्चित करने के राज्य के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा हैं।

उन्होंने बताया कि अब तक 22 जिलों के 440 पायलट गांवों में से 418 (95 प्रतिशत) ने सफलतापूर्वक अपना ततिमा अद्यतनीकरण पूरा कर लिया है। यह भूमि अभिलेखों के आधुनिकीकरण में एक बड़ा कदम है तथा 8 मई 2025 को बताए गए 380 गांवों की तुलना में एक मजबूत वृद्धि है, जिसमें एक महीने से कुछ अधिक समय में 38 गांवों का जुड़ना दशार्या गया है। कई जिलों ने अपने आवंटित पायलट गांवों का 100 प्रतिशत ततिमा अद्यतनीकरण हासिल कर लिया है। इनमें चरखी दादरी, फरीदाबाद, फतेहाबाद, हिसार, जींद, कैथल, करनाल, पंचकूला, पानीपत, रोहतक, सिरसा और सोनीपत शामिल हैं। गुरुग्राम ने भी प्रगति दिखाई, जहां 11 नए गांवों में 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप संसाधित अभिलेखों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, 25 जून तक कुल 3,53,680 ततिमा अभिलेख पूरे हो चुके हैं, जो 8 मई से 23,005 अभिलेखों की वृद्धि को दशार्ता है।

कृषि उपभोक्ताओं के बिजली टैरिफ में कोई बदलाव नहीं किया: अनिल विज

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने बिजली बिलों की दरों के संबंध में स्पष्ट करते हुए कहा कि कुछ लोगों द्वारा यह भ्रामक प्रचार किया जा रहा है कि बिजली बिल 4 गुना तक बढ़ गए है, जबकि यह पूरी तरह से गलत है। उन्होंने कहा कि राज्य के कृषि उपभोक्ताओं के बिजली टैरिफ में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसी प्रकार, 2 किलोवॉट तक के घरेलू उपभोक्ताओं के मासिक बिल में साल 2014-2015 की तुलना में 49 से 75 प्रतिशत तक की कमी आई है जबकि श्रेणी- 2 के अधिकांश उपभोक्ताओं के बिलों में कमी दर्ज की गयी है। उन्होंने कहा कि श्रेणी - 1 और श्रेणी - 2 में लगभग 94 प्रतिशत बिजली के उपभोक्ता आते है, जिनके अधिकांश मासिक बिलों में कमी दर्ज की गई है।

विज ने कहा कि संशोधित बिजली टैरिफ संरचना के अनुसार, हमने सभी श्रेणियों के घरेलू उपभोक्ताओं के लिए न्यूनतम मासिक शुल्क (एमएमसी) समाप्त कर दिया गया है क्योंकि हरियाणा की डिस्कॉम्स (बिजली कंपनियां) प्रदेशवासियों को निरंतर, निर्बाध, सस्ती और उपभोक्ता-केंद्रित बिजली सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा में अपने पड़ोसियों राज्यों की तुलना में एलटी और एचटी दोनों उपभोक्ताओं की श्रेणियों में काफी कम बिजली टैरिफ चार्ज करता है। इसके अलावा पिछले एक दशक में, वित्तीय वर्ष 2014-15 से वित्तीय वर्ष 2024-25 तक, एटी एंड सी (समग्र तकनीकी और वाणिज्यिक) लॉसेस 29% से घटाकर 10% के स्तर पर लाया गया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में कृषि उपभोक्ताओं को पहले की तरह केवल 10 पैसे/यूनिट (मीटर्ड) और 15 रुपये/बीएचपी/माह (फ्लैट रेट) का भुगतान करने के तहत बिजली मुहैया करवाई जा रही है। इसी प्रकार, मीटर वाले कनेक्शन के लिए एमएमसी को घटाकर 180 रुपये (15 बीएचपी तक) और 144 रुपये (15 बीएचपी से ऊपर) कर दिया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने की जनसुनवाई

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास पर नागरिकों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुना। बातचीत के दौरान मंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा और संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक मुद्दे को निर्धारित समय सीमा के भीतर हल करने के निर्देश दिए। मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार और नागरिकों को समय पर, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्राप्त करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि स्वास्थ्य सेवाएं हरियाणा के हर कोने तक पहुंचें। कोई भी शिकायत अनसुनी या अनसुलझी नहीं रहनी चाहिए। प्रदेश सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को त्वरित, पारदर्शी और कुशल सेवाएं प्रदान करना है।

निरीक्षण

रैली निकालकर लोगों को कर रहे हैं भ्रूण जागरूकता के प्रति सजग

भ्रूण जांच करने वाले तथा करवाने वालों पर रखी जा रही है पेनी नजर : डॉक्टर कृष्णकांत

अनिल गोयल
लाडवा

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा के एस एम ओ डॉ कृष्ण कांत ने कहा कि गर्भ में लिंग जांच करवाने वाले व्यक्तियों तथा जांच करने वाले व्यक्तियों पर सरकार की पैनी नजर रखी जा रही है । डाक्टर कृष्णकांत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि लाडवा के अंतर्गत आने वाले कुछ गांव जैसे की लोहारा,समालखा, बपदा बपदी, सोंटी,गुडा व गुड्डी इत्यादि में सेक्स रेशों काफी कम है।जिस पर विशेष नजर रखी जा रही है ।इस बारे में प्रति मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में सभी चिकित्सा अधिकारी, सीडीपीओ ,आईसीडीएस सुपरवाइजर, ब्लॉक आशा कोऑर्डिनेटर व जन्म मृत्यु पंजीकरण कर्मचारी के साथ बैठकर सभा का आयोजन किया जाता है तथा गर्भ में लिंग जांच तथा गिरते हुए लिंगानुपात पर पूरी तरह से विचार विमर्श किया जाता है । सभी अधिकारियों व कर्मचारीयो का मकसद यही है कि जिस जिस गांव में लिंगानुपात कम है वहां पर गांव के कार्यकताओं सरपंच पंच इत्यादि से मिलकर विशेष रैली निकाली जा रही है जिससे कि आम जनता को ज्यादा से ज्यादा गिरते हुए लिंगानुपात को सुधारने वारे जानकारी मिल सके ।इस कड़ी में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारी उस गांव की एएनएम,आशा वर्कर तथा आंगनबाड़ी वर्कर की विशेष टीम गठित की गई है जो की लिंगानुपात को सुधारने बारे लगातार प्रयास कर रहे हैं ।सरकार द्वारा ऐसी महिलाएं जिनके एक या एक से ज्यादा पहले लड़कियां हैं ऐसी महिलाओं के साथ गांव की एक आशा वर्कर तथा एक आंगनवाड़ी वर्कर को सहेली के रूप में लगाया गया है ।इसका मकसद यह है कि कोई भी गर्भवती महिला जिसकी पहले लड़की है वह अगर किसी कारण से गर्भपात कराती है तो उस बारे में संपूर्ण जानकारी चिकित्सा अधिकारी प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा के

माध्यम से जिला स्तर पर भेजी जाती है तथा जिस जिस संस्थानों में गर्भपात किया जाता है उस पर भी पैनी नजर रखी जा रही है जिससे कि अनावश्यक गर्भपात को रोका जा सके ।

सभी आशा, वर्कर आंगनवाड़ी वर्कर तथा स्वास्थ्य कार्यकताओं को हिदायत दी गई है कि जो भी ऐसा क्लिनिक जहां पर भ्रूण लिंग जांच के संदर्भ में कोई भी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है इसकी सूचना वह सरकारी अस्पताल लाडवा में दें जो की बिल्कुल ही गुप्त रखी जाती है तथा गुप्त रूप से यह जानकारी उच्च अधिकारियों को जिला स्तर तक भेजी जाती है । डॉक्टर कृष्णकांत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा ने बताया कि प्रति मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में लिंग जांच बारे सभा के आयोजन किया जाता है तथा अगले दिन बुधवार को जिला स्तर पर सिविल सर्जन महोदय द्वारा पूरे कुरुक्षेत्र की लिंग अनुपात से संबंधित सभा का आयोजन किया जाता है।जिस पर गिरते हुए लिंगानुपात के विभिन्न पहलुओं पर पूरी तरह से कार्यवाही की जा रही है ।सरकार गिरते हुए लिंगानुपात को लेकर काफी चिंतित है और कोई भी व्यक्ति अगर इस कार्य में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाही अमल मैं लाई जाती है। डाक्टर कृष्णकांत ने आम जनता से अपील की कि वह लड़का और लड़की को एक समान रूप से देखें तथा उनमें कोई भेदभाव ना बरतें ।आजकल के दौर में लड़कियां भी दिन प्रतिदिन तरक्की कर रही हैं तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े मुकाम हासिल कर रही हैं । उन्होंने आम जनता से कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति इस घृणित कार्य में संलिप्त है तो वह इसकी जानकारी सरकारी अस्पताल लाडवा में अवश्य दें ।सभा के दौरान डॉक्टर जसविंदर, डॉक्टर विशाल, जसमेर स्वास्थ्य निरीक्षक ,श्रीमती भारती वर्मा, श्रीमती मीना कुमारी स्वास्थ्य कार्यकर्ता, अमरीक सिंह व विपिन सहायक विशेष रूप से मौजूद रहे ।

संपादकीय

भारत में अंग प्रत्यारोपण के रास्ते में नैतिकता, प्रक्रिया, और बुनियादी ढाँचे की खामियां एक बड़ा रोड़ा, तुरंत सुधार की दरकार

इस में कोई दो राय नहीं है कि मौजूदा हालात में भारत में अंग प्रत्यारोपण की स्थिति चिंताजनक मोड़ पर खड़ी है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट ने इस दिशा में कई गंभीर खामियों को उजागर किया है, जिनका सीधा असर देश की जीवनरक्षक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच पर पड़ रहा है। यह भी सच है कि अंग प्रत्यारोपण एक ऐसी चिकित्सा प्रक्रिया है, जिसमें असफल या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त अंग को किसी स्वस्थ दाता से प्राप्त अंग से प्रतिस्थापित किया जाता है। यह दाता कोई जीवित व्यक्ति हो सकता है (जैसे एक गुर्दा या आंशिक यकृत दान) या मस्तिष्क मृत्यु के पश्चात मृत व्यक्ति भी। भारत में गुर्दा, यकृत, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंतों जैसे अंगों का प्रत्यारोपण किया जाता है। इससे संबंधित आँकड़ों ने सभी को भयभीत कर दिया है। वर्ष 2024 में भारत में कुल 13,476 गुर्दा प्रत्यारोपण ही हो सके, जबकि विशेषज्ञों के अनुसार देश में हर साल कम से कम 1 लाख प्रत्यारोपणों की आवश्यकता होती है। वहीं, हर साल करीब 1.8 लाख लोग किडनी फेल्योर से जूझते हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ 6,000 को ही प्रत्यारोपण मिल पाता है। अंग दान की दर प्रति दस लाख जनसंख्या पर 1 से भी कम है, जबकि आवश्यकता 65 प्रति मिलियन की है। यह आंकड़ा साफ दशार्ता है कि भारत में मांग और आपूर्ति के बीच बहुत बड़ा अंतर है। कुछ राज्यों ने इस दिशा में बेहतर प्रदर्शन किया है।

मृत अंग दान में: तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र राज्यों के नाम शीर्ष पर हैं इसी प्रकार जीवित दान में:दिल्ली-एनसीआर, केरल और पश्चिम बंगाल राज्य आगे माने जाते हैं। इन राज्यों के प्रयासों से स्पष्ट है कि यदि इच्छाशक्ति और संसाधन हों, तो भारत में अंग दान और प्रत्यारोपण का विस्तार संभव है। भारत में अंग प्रत्यारोपण को मानव अंग और ऊतक प्रतिरोपण अधिनियम, 1994 द्वारा विनियमित किया जाता है, जिसे 2011 में संशोधित किया गया था। इसमें अंगों की अवैध खरीद-फरोख्त को रोकने, चिकित्सा संस्थानों को लाइसेंसिंग देने और मरणोपरांत दान को बढ़ावा देने जैसे प्रावधान शामिल हैं। वर्ष 2023 में किये गए संशोधन में दो अहम बदलाव किए गए:मृतक अंग प्राप्ति हेतु पंजीकरण में 65 वर्ष की आयु सीमा हटाई गई। अंग प्राप्ति के लिए राज्य निवासी होना अब अनिवार्य नहीं।यह बदलाव खासतौर पर इंटर-स्टेट ऑर्गन अलोकेशन को सुगम बनाने के लिए किये गए हैं। अंगदान में नोटो, रोटो और सोटो की भूमिका अहम रहती है। भारत सरकार ने अंग प्रत्यारोपण को सुव्यवस्थित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नोटो की स्थापना की। यह देश में अंग दान और प्रत्यारोपण का केंद्रीय समन्वयक है। इसके क्षेत्रीय और राज्य स्तरीय अंग हैं: इनमें रोटोझ्र 5 क्षेत्रीय इकाइयाँ और सोटो झ्र 14 राज्यों में स्थापित है। हर प्रत्यारोपण को अब नोटो आई डी से टैग किया जाता है, जिससे पारदर्शिता और निगरानी को बल मिलता है। अंगदान के मार्ग में कई चुनौतियाँ आती हैं। भारत में अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम की राह में कई संरचनात्मक, प्रक्रियात्मक और सामाजिक चुनौतियाँ खड़ी हैं: इनमें बुनियादी ढाँचे की कमी झ्र आई सी यू सुविधाओं, ब्रेन डेड डोनर की पहचान और अंग संरक्षित करने की तकनीक की सीमाएँ। प्रशिक्षित पेशेवरों की कमी झ्र विशेष रूप से ट्रांसप्लांट सर्जन, कोऑर्डिनेटर और काउंसलरों की भारी कमी। नैतिक एवं कानूनी समस्याएं झ्र अवैध अंग व्यापार और पारिवारिक सहमति की जटिलताएँ। कम जनजागरूकता झ्र अंग दान से जुड़ी धार्मिक भ्रांतियाँ और मृत्यु के भय से दान नहीं कर पाते लोग। आर्थिक बाधाएँ झ्र अधिकांश अंग प्रत्यारोपण की लागत आम नागरिक की पहुंच से बाहर है। प्रक्रियात्मक विलंब झ्र अंग की पहचान से प्रत्यारोपण तक की प्रक्रिया में लंबा समय। समाधान की दिशा में नीतिगत व सामाजिक सुधार जरूरी हैं। भारत की अंग प्रत्यारोपण प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए निम्न रणनीतियाँ जरूरी हैं। नीतिगत सुधार और वित्तीय सहयोग के तहत आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रत्यारोपण को कवर करने की दिशा में कदम। राज्य सरकारों द्वारा निःशुल्क प्रत्यारोपण सुविधा का विस्तार। इसी प्रकार तकनीकी नवाचार और डिजिटल पारदर्शिता के तहत डिजिटल वेटिंग लिस्ट, ट्रैकिंग सिस्टम और डेटा इंटीग्रेशन को बढ़ावा देना। तथा मानव संसाधन के विकास के अधीन ट्रांसप्लांट सर्जनों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम और चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में कोर्स अनिवार्य करना। है। देशव्यापी जागरूकता अभियान-सेलिब्रिटी, धार्मिक नेता और सामाजिक कार्यकताओं की भागीदारी के साथ टी वी, सोशल मीडिया और स्कूल-कॉलेज स्तर पर जागरूकता अभियान। सम्मान और मान्यता-दानदाताओं और उनके परिवारों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करना – प्रमाण पत्र, स्मारक, ह्यऑर्गन हीरोह्व जैसे कार्यक्रम शुरू करना। सब जरूरी हैं इसके लिए। यह भी सच है कि भारत, चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा अंग प्रत्यारोपण देश है। यदि मौजूदा अंतरालों को दूर किया जाए, तो भारत न केवल मेडिकल टूरिज्म का बड़ा केंद्र बन सकता है, बल्कि सॉफ्ट पावर को भी वैश्विक मंच पर मजबूत कर सकता है। इंटर-स्टेट अंग साझा व्यवस्था और प्रभावी नेटवर्किंग से यह कार्यक्रम राजस्व उत्पन्न करने के साथ-साथ हजारों जीवन बचा सकता है।अंत में कह सकते हैं कि सुधार की तत्काल आवश्यकता है। भारत के अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम को मौजूदा नैतिक, प्रक्रियात्मक और संरचनात्मक समस्याओं से उबारने की तत्काल जरूरत है। इसके लिए बहु-हितधारक सहयोग, नीतिगत प्रतिबद्धता, तकनीकी एकीकरण और जन भागीदारी अत्यंत आवश्यक हैं। अंग दान सिर्फ एक चिकित्सा कार्य नहीं, बल्कि एक जीवनदायिनी सामाजिक जिम्मेदारी है। यदि हम जागरूक हों, तो हजारों लोगों को नया जीवन मिल सकता है।

आज का राशिफल

मेषः आज का दिन आपके लिए अत्यंत फलदायी रहेगा। किसी विशेष विषय में रुचि जागेगी और अध्ययन से लाभ होगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी, और रोमांटिक मुलाकात का योग बन सकता है। व्यापार से जुड़ी यात्रा सफल रहेगी।

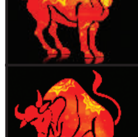

वृषभः आपकी बातों को लोग गलत समझ सकते हैं, इसलिए शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा, हालांकि कुछ मित्रों से दूरी संभव है। जीवनसाथी से विचार-विमर्श लाभदायक रहेगा। आर्थिक मोर्चे पर प्रगति होगी, लेकिन प्रेम संबंधों को लेकर मन थोड़ा व्यथित रह सकता है।

मिथुनः यदि नया व्यवसाय आरंभ करना चाह रहे हैं, तो योजनाओं को व्यवस्थित करें। लंबित कार्यों में गति आएगी। शैक्षणिक व शोध कार्यों में सफलता से मन प्रसन्न रहेगा। आपका व्यवहार दूसरों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा। गले से संबंधित स्वास्थ्य समस्या हो सकती है, सतर्क रहें।

कर्कः आज कुछ लोग आप पर अनुचित आरोप लगा सकते हैं, जिससे मानसिक तनाव हो सकता है। नकारात्मक आदतों से दूरी बनाए रखना उचित रहेगा। कार्यों में बाधाएँ आएंगी, लेकिन प्रयास से समाधान मिलेगा। किसी मित्र को आर्थिक सहायता की आवश्यकता पड़ सकती है।

सिंहः समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी पारिवारिक या सामाजिक समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं। अटके हुए कार्य मित्रों की मदद से पूर्ण होंगे। ऑनलाइन माध्यमों से लाभदायक सूचना मिलेगी। भाई-बहनों से संबंध मधुर रहेंगे। संपत्ति में निवेश की योजना बन सकती है।

कन्याः सरकारी कार्यों में सफलता मिल सकती है। हालांकि थकान का अनुभव हो सकता है, इसलिए भरपूर आराम लें। जल्दीबाजी में काम करने से चूक हो सकती है। करियर को लेकर चिंता हो सकती है, लेकिन आर्थिक मामलों में अनुकूलता रहेगी। आपकी दक्षता को सराहा जाएगा।

तुलाः कार्यस्थल पर जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। छात्रवर्ग प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। पारिवारिक मामलों में थोड़ी उलझन रह सकती है। गुप्त प्रेम संबंध उजागर होने का भय बना रह सकता है, परन्तु प्रेम जीवन में स्थिरता आएगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिकः कार्यालय में सहकर्मी से मतभेद हो सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण आवश्यक होगा। जीवनसाथी से विवाद संभव है, जिससे मन खिन्न रह सकता है। बेहतर होगा कि वाद-विवाद से दूर रहकर शांति बनाए रखें।

धनुः जीवनसाथी कोई पुरानी बात साझा कर सकते हैं। सरकारी क्षेत्र में सफलता की संभावना है। व्यवसाय में नए विकल्प मिल सकते हैं। विलासिता की वस्तुओं पर खर्च बढ़ेगा। टैक्स से जुड़ी जटिलताएं दूर हो सकती हैं। बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देना जरूरी होगा।

मकरः प्रोफेशनल प्रगति के लिए आपको अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है। गूढ़ विषयों के अध्ययन में रुचि बढ़ेगी। बदलते मौसम के कारण बुखार या सिरदर्द की समस्या हो सकती है। सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। कभी-कभी स्वार्थी प्रवृत्ति अपनाना फायदेमंद रहेगा।

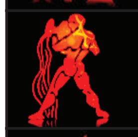

कुंभः प्रेमी के साथ विवाह को लेकर चर्चा संभव है। बच्चों की सेहत पर ध्यान देना आवश्यक होगा। छात्र करियर को लेकर थोड़े असमंजस में रह सकते हैं। नकारात्मक सोच वाले लोगों से दूरी बनाए रखना लाभदायक रहेगा। घरेलू खर्चों का दबाव महसूस हो सकता है।

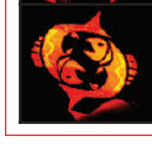

मीनः विवाहित जीवन में पर्याप्त समय न दे पाने से असंतोष रह सकता है। व्यापारिक रिश्तों को लेकर चिंता हो सकती है। जोड़ों के दर्द या अकड़न की शिकायत रह सकती है। कानूनी मामलों में सावधानी रखें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग सतर्कता से करें।

आपातकाल की यादें !

के विक्रम राव (हि.स.)

इंदिरा गांधी की भारत पर थोपी गई फासिस्ट इमर्जेंसी की स्वर्ण जयंती है। स्वर्णिम कदापि नहीं। कालिखभरी। तारकोल से भी ज्यादा काली। वह सुबह (गुरुवार, 26 जून 1975, आषाढ़ मास) थी। तैमूर लंगड़े से उजबेकी डाकू बाबर तक कइयों ने दिल्ली को गुलाम बनाया था। तबाह किया था। रातों-रात इंदिरा गांधी ने भी कीर्तिमान रचा था। वह आजाद गणतंत्र की एकक्षत्र मालकिन बन गई। वह भयावह भोर काली और यादगार है। उस सुबह बड़ौदा में मैं दांडिया बाजार आया। यूएनआई ऑफिस। आकाशवाणी से आपातकाल लगने की घोषणा सुन ली थी। यूएनआई ऑफिस में पूरी रपट पढ़ी। मीडिया और प्रेस को क्लीव बनाने की साजिश। इंदिरा सरकार ने तय कर लिया था कि सेंसर ही हमारी खबर की रपट की जांच करेगा, तब वह छपेगी।
मुझे एक चतुराई सूझी। मैंने वहीं यूएनआई ऑफिस में बैठे-बैठे (26 जून 1975) आईएफडब्ल्यू के उपाध्यक्ष के नाते एक बयान जारी किया। प्रधानमंत्री के तानाशाह बनने की भर्त्सना की। सेंसरशिप के खात्मे की मांग की। कैदी प्रतिपक्ष नेताओं को रिहा करने की अपील की थी। बयान तो देश भर में जारी हो गया। शायद सेंसर तब तक सो रहा था। कई प्रदेशीय दैनिकों में बयान छपा भी। मगर वह पहला और अंतिम रहा। फिर तो ताले लग गए थे। खुद सत्तर साल के बुड्ढे मियां फखरुद्दीन अली अहमद भी उस आधी रात हरकत में राष्ट्रपति भवन में रहे होंगे।
हालांकि मेरे बड़ौदा में रहते सितंबर 1975 में ऐतिहासिक घटना हुई। उस एक शाम हमारे प्रतापनगर रेलवे कॉलोनी के ऑफिसर्स क्लब में भजन गायक हरिओम शरण का कार्यक्रम था। तभी सुधा ने सूचना भेजी कि एक विशिष्ट अतिथि अकस्मात घर (78-बी, प्रतापनगर रेलवे कॉलोनी) आए हैं। मुझे घर आना पड़ेगा। सिख के वेशभूषा में जॉर्ज फर्नांडिस थे। इमरजेंसी थोपे जाने के बाद जॉर्ज के आगमन की प्रतीक्षा मैं नित्य कर रहा था। अब प्रश्न था कि जॉर्ज को टिकाया कहां जाए ? क्योंकि हमारी रेलवे कॉलोनी का हर व्यक्ति अपने इस क्रांतिकारी नेता को पहचानता था। अतः इंडियन एक्स्प्रेस के साथी और यूनियन ऑफ बड़ौदा जर्नलिस्ट के अध्यक्ष साथी किरीट भट्ट की मदद से अलकापुरी में उद्योगपति भरत पटेल के गेस्ट हाउस ले गए। दूसरे दिन पता चला कि जॉर्ज ने स्वयं भरत पटेल से डायनामाइट के बारे में पूरी जानकारी पा ली है। आगे का सब पुलिस रिकॉर्ड में है, क्योंकि ये उद्योगपति सरकारी गवाह बन गया था।
इस बीच होली के त्यौहार पर लखनऊ गया। यह अवकाश पहले से ही अनुमोदित था। लखनऊ में कुछ दिन बाद ही नेशनल हेरल्ड के स्थानीय संपादक सीएन चितरंजन ने मुझे बताया कि लखनऊ पुलिस अधीक्षक एचडी पिल्लई मेरी खोज कर रहे हैं। गुजरात पुलिस का संदेश आया था। यह पिल्लई साहब आईपीएस अधिकारी थे जो इंदिरा गांधी के सुरक्षा अधिकारी रहे। मैंने संपादक चितरंजन को बताया कि मैं अहमदाबाद पहुंचकर स्वयं को पुलिस को सौंप दूंगा। क्योंकि परिवार के कारण मैं भूमिगत नहीं रह सकता। सुधा रेल अधिकारी हैं। पुलिस ने मोहलत दे दी। मैंने खुद को अहमदाबाद में पुलिस महानिरीक्षक पीएम पंत के समक्ष पेश किया। ये पंत साहब पत्रकार राजदीप सरदेसाई के नाना हैं। फिर तीस दिन की पुलिस रिमांड के बाद मुझे बडौदा सेंट्रल जेल में रखा गया। वहां छह अन्य साथियों के साथ। मुझे भी काल कोठरी के तन्हा सेल में रखा गया। डबल ताले में। शुरू में बड़ौदा केंद्रीय कारागार में डायनामाइट षड्यंत्र के हम केवल सात अभियुक्तों को अलग-अलग तन्हा कोठरी में कैद रखा गया। लोहे के दो छोटे फाटकनुमा दरवाजे डबल ताले में बंद होते थे। सुबह केवल एक घंटे के लिए खोलते थे। शौच-स्नान के लिए। कोठरी भी पिंजड़ानुमा, दस बाई दस फीट की थी। किसी से कोई संपर्क नहीं। अतः मौन व्रत जबरन रखना पड़ता था। जेल में सबसे ज्यादा पीड़ादायक समाचारपत्रों का न मिलना था। पर यह दुख एक स्वयंसेवक ने दूर कर दिया। वह जेलर मोहम्मद मलिक को एक समाचारपत्र बंडल मेरे लिए रोज दे जाता था। फिर दयादृष्टि अपनाकर जेलर उसे मेरी कोठरी में भिजवा देते थे। उस पुण्यात्मा युवा का नाम बाद में पता चला। वह थे नरेंद्र दामोदरदास मोदी, आज प्रधानमंत्री हैं।
यह वाकया गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदीजी ने स्वयं पत्रकार श्रोताओं को बताया था। गांधीनगर में सांसद नरहरि अमीन के स्कूल सभागार में 02 जनवरी 2003 के दिन गुजरात जर्नलिस्ट यूनियन द्वारा आयोजित में हमारे इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (आईएफडब्ल्यूख) के अधिवेशन को गांधीनगर में उन्होंने बताया था। मेरी जेल यातनाओं का उल्लेख भी किया था। मोदीजी तपाक से मिले थे। मैं अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहा था। मेरे बारे में मोदी जी ने कहा : ₹जब बडौदा सेंट्रल जेल में विक्रम राव तन्हा कोठरी में नजरबंद था तो उन्होंने जेलर से अखबार देने की विनती की थी।₹ पत्रकार को समाचारपत्र न मिले जैसे जल बिन मछली ! फिर चंद दिनों बाद मुझे अखबार मिलने लगे।
नरेंद्रभाई मोदी मेरे संकटत्रस्त तथा दुखद काल के सुहृद रहे। इसीलिए ज्यादा भले लगते हैं। वर्ना इस वक्त तो प्रधानमंत्री के करोड़ों मित्र और समर्थक होंगे। यह बात मई 1976 की है। मोदीजी तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कर्मठ कार्यकर्ता थे, तरुणाई में थे, आयु 26 वर्ष रही होगी। हमारी कैद के दौरान तानाशाही राज ने सारे कानून तोड़ डाले थे। उस निर्दयी आपातकालीन दौर में न्यायतंत्र पंगु हो गया था। इस त्रासद स्थिति का निजी अनुभव मुझे हुआ था जब मुझे बड़ौदा जेल से कर्नाटक पुलिस बेंगलुरु ले गई थी। मल्लीश्वरम थाने में हिरासत में रखा। न्यायाधीश के समक्ष पेश किया। मैंने कोर्ट में शिकायत की कि मुझे रात भर तेज रोशनी फेंक कर जगाए रखा गया। घुटने को मोड़ कर खड़ा रखा गया। पंखे से बांधने की धमकी दी। इसे पुलिसिया लहजे में हेलीकॉप्टर बनाना कहते हैं। मगर न्यायाधीश पुंसत्वहीन हो गए थे। मेरी याचना और इस जिरह के दौरान मुझे अपार जिल्लत भुगतनी पड़ी। गूंगे बने रहे थे जज साहब। मगर बाहर आकर पता चला कि था कि (सीओडी) कोर ऑफ डिटेक्टिव क्रूरता के कारण हिटलर जर्मन गेस्टापों के समान मानी जाती है। पुलिसिया कठोरता ने मेरे दर्द को बढ़ाया, शारीरिक तथा मानसिक भी।
बहुधा हम भूमिगत कार्यकताओं को मलाल रहता था कि एक लाख के करीब लोग जेल चले गये। यदि वे भूमिगत रहते तो हमारा संघर्ष तीव्र होता। रिहा होने के बाद जनता पार्टी के नवनियुक्त अध्यक्ष चन्द्रशेखर से मैंने पूछा भी था कि जेल के बाहर रह कर वे संघर्ष चलाते ? मगर उनका बेबसी भरा उत्तर था कि "जब सभी नेता कैद हो गये तो आन्दोलन कैसे चलाया जाता और फिर देश में विरोध मुखर था ही नहीं।"
कई पत्रकार साथी मुझसे पूछते थे, कि डायनामाइट के अतिरिक्त कोई अन्य रास्ता नहीं था। बहस को छोटा करने की मंशा से मैं यही जवाब देता कि सेंट्रल असेंबली में बम फेंक कर भगत सिंह ने बहरे राष्ट्र को सुनाना चाहा था। डायनामाइट की गूंज से गूंगे राष्ट्र को हमलोग वाणी देना चाहते थे। हम राजनेता तो थे नहीं कि सत्याग्रह करते और जेल में बैठ जाते। श्रमजीवी पत्रकार थे अतः कुछ तो कारगर कदम लेकर विरोध करना ही था।
लेकिन मधुरतम घटना थी जब तिहाड़ जेल के सत्रह नम्बर वार्ड में उस रात के अन्तिम पहर में मेरे पाकेट ट्रांजिस्टर पर वॉयस ऑफ अमेरिका के समाचार वाचक की उद्घोषणा सुनी कि रायबरेली चुनाव क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार के पोलिंग एजेन्ट (यशपाल कपूर) ने निर्वाचन अधिकारी से मांग की कि मतगणना फिर से की जाए। मै तुरन्त उछल पड़ा। जार्ज को जगाया और बताया कि,"इन्दिरा गांधी पराजित हो गई।" पूरे जेल में बात फैल गई। तारीख 17 मार्च, 1977 थी। लगा दीपावली आठ माह पूर्व आ गई। पूरे जेल में लाइट जल उठीं। विजय रागिनी बज उठी। आखिर मतदाताओं ने तानाशाह को धराशायी कर दिया। (इस आलेख को आपातकाल के उत्पीड़न के साक्षी पत्रकार के विक्रम राव की आत्मकथा : 'तूफान तो आए कई, झुका न सके!' से लिया गया है।)

(वरिष्ठ पत्रकार के विक्रम राव का कुछ समय पहले लखनऊ में

कांग्रेस ने आपातकाल के लिए माफी नहीं मांगी

डॉ. आशीष वशिष्ठ (हि.स.)

भारतीय लोकतंत्र ने विश्व भर में प्रशंसा एवं प्रतिष्ठा प्राप्त की है। हालांकि लोकतंत्र की इस समृद्ध यात्रा में आपातकाल जैसा एक कलंकित अध्याय भी जुड़ा है। 25 जून, 1975 की वो रात कौन भूल सकता है जिसे खासतौर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 'तानाशाही' के रूप में जाना जाता है। ये वही रात थी जब तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर देश में आपातकाल की घोषणा की थी।

25 जून 2025 को कांग्रेस की शीर्ष नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश पर आपातकाल को थोपे हुए 50 वर्ष पूरे होंगे। इमरजेंसी में कांग्रेस की दुर्भावना का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसने आज तक इसके लिए माफी नहीं मांगी। बीती 21 जून को पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने देश की एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा, "कांग्रेस को आपातकाल के लिए देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस को इसे लेकर पछतावा होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ने कभी भी इसके लिए माफी नहीं मांगी। अब जब देश में आपातकाल लागू हुए 50 साल होने जा रहे हैं, तो ऐसे में कांग्रेस पार्टी को सार्वजनिक रूप से इस पर पछतावा होना चाहिए।"

20 नवंबर, 2017 को आपातकाल के दौरान जेल काटने वाले पत्रकार कुलदीप नैयर का बीबीसी में प्रकाशित एक लेख आपातकाल को लेकर कांग्रेस के चरित्र का बखूबी चित्रण करता है। नैयर लिखते हैं, "आपातकाल किसी अपराध से कम नहीं था, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने इसके लिए कभी माफी नहीं मांगी। खासकर नेहरू-गांधी खानदान से अफसोस का एक शब्द भी नहीं कहा गया। गैर-कांग्रेसी पार्टियों ने इसके विरोध में बयान जारी किया या विरोध प्रदर्शन भी किया, लेकिन कांग्रेस पार्टी आपातकाल पर खामोश ही रही।"

माफी मांगने की बजाय इंदिरा गांधी के पुत्र पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 23 जुलाई 1985 को आपातकाल पर गर्व करते हुए लोकसभा में कहा था कि आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं है। " पूर्व प्रधानमंत्री ने यहां तक कहा था कि अगर इस देश का कोई प्रधानमंत्री इन परिस्थितियों में आपातकाल को जरूरी समझता है और आपातकाल लागू नहीं करता है तो वह इस देश का प्रधानमंत्री बनने के लायक नहीं है। तानाशाही पर गर्व करने का यह कृत्य ही दशार्ता है कि कांग्रेस को परिवार और सत्ता के अलावा कुछ भी प्रिय नहीं है।" पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का वक्तव्य कांग्रेस के मूल चरित्र को दशार्ता है।

आपातकाल की अवधि के बाद दो पीढ़ियां बड़ी हो चुकी हैं तो उन्हें इसकी भनक नहीं होगी कि तब देश में कितने खराब हालात रहे। बिना किसी अदालती कार्यवाही के संसद से विपक्षी सदस्यों को हिरासत में ले लिया गया। एक लाख से ज्यादा लोगों को जेल में डाल दिया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी। इंदिरा गांधी ने खुद को ही कानून बना लिया था। इंदिरा गांधी में प्रतिशोध की भावना की सारी सीमाएं टूट गई थीं। आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने देश के संवैधानिक संस्थाओं और मयार्दाओं के साथ जो खिलवाड़ किया है, उसका खामियाजा आज तक देश भुगत रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने जुलाई 2015 में कहा, "हमें क्यों माफी मांगनी चाहिए? हम क्यों आपातकाल पर चर्चा करें?" मार्च 2021 को राहुल गांधी ने अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय में आपातकाल पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, "मुझे लगता है कि वह एक गलती थी बिलकुल, वह एक गलती थी। और मेरी दादी (इंदिरा गांधी) ने भी ऐसा कहा था।"

मई 2004 में इंडियन एक्सप्रेस के तत्कालीन प्रधान संपादक शेखर गुप्ता के साथ बातचीत में सोनिया गांधी ने कहा था कि उनकी सास ने बाद में महसूस किया था कि यह एक गलती थी। सोनिया गांधी ने तब कहा था, ₹ठीक है, मेरी सास ने खुद चुनाव हारने के बाद (1977 में) कहा था कि उन्होंने उस (आपातकाल) पर पुनर्विचार किया था। और यह तथ्य कि उन्होंने चुनाव की घोषणा की, इसका मतलब है कि उन्होंने आपातकाल पर पुनर्विचार किया था।₹

बीते साल 25 जून को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें आपातकाल को 'प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला' बताया गया। कांग्रेस सांसदों ने प्रस्ताव विरोध में कहा कि पांच दशक पुराने इस काले दौर का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आपातकाल को सही मानती है या फिर यह चाहती है कि लोकतंत्र को कलंकित करने और संविधान का निरादर करने वाले इस तानाशाही भरे कदम का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए?

निर्लज्जता की पराकाष्ठा देखिए जिस कांग्रेस के नेता ने केवल अपनी सत्ता कायम रखने के लिए आपातकाल लगाया, इन दिनों उसी पार्टी के नेता संविधान रक्षक होने का दावा करते घूमते हैं। 2024 के आम चुनाव से इंदिरा गांधी के पोते राहुल गांधी लगातार संविधान की एक किताब को सार्वजनिक रूप से लहराकर यह दावा करते रहते हैं कि कांग्रेस ही संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की वास्तविक संरक्षक है, जबकि सच्चाई यही है कि कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान संविधान के आत्मा को क्षति पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

दिसंबर 2024 को लोकसभा में संविधान पर विशेष बहस के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, ₹उन्होंने (राजनाथ सिंह) 1975 (आपातकाल) के बारे में बात की तो सीख लीजिए न आप भी... आप भी अपनी गलतियों के लिए माफी मांगिए... आप भी बैलेट पर चुनाव कर लीजिए... दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा।₹ यानी अपनी गलती के लिए माफी मांगने की बजाय सामने वाले को नसीहत देना कांग्रेस की पुरानी फितरत है। प्रियंका ने भी वही किया जो उनकी पार्टी के नेता करते आए हैं।

नैयर लिखते हैं कि, "युद्ध के बाद के जर्मनी ने हिटलर के अत्याचारों के लिए माफी मांगी थी। यहां तक कि जर्मनी ने इसके लिए हजार्ना भी भरा था। ऐसे अत्याचारों के लिए कोई माफी नहीं दी जा सकती, लेकिन लोगों को सामान्य तौर पर लगता है कि बच्चों को एहसास होगा कि उनके पूर्वजों ने गलती सुधारने की कोशिश की थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह अमृतसर स्वर्ण मंदिर गए थे और उन्होंने ब्लू स्टार ऑपरेशन के लिए माफी मांगी थी।"

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 जून, 2024 को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए जो शब्द कहे थे, उससे कांग्रेस के मूल स्वरूप और चरित्र को जानना और समझना सरल हो जाता है। योगी ने कहा था कि, उस समय कांग्रेस का एक बर्बर चेहरा हम सभी को देखने को मिला था। कैसे कांग्रेस ने उस समय देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया था। कैसे न्यायालय के अधिकारों को कांग्रेस ने उस समय बंधक बनाकर रख दिया था और आज भी कांग्रेस में भले ही नेतृत्व बदला हो, चेहरा बदला हो, लेकिन उसका चरित्र वही है।

आपातकाल के 45 साल बाद विदेशी धरती पर राहुल गांधी ने स्वीकार किया कि इमरजेंसी का निर्णय गलत था। लेकिन देशवासियों से उन्होंने या कांग्रेस के किसी नेता ने आपातकाल के लिए माफी नहीं मांगी। कांग्रेस नेता गाहे-बगाहे आपातकाल पर गुमराह करने और बेशर्मी से इस अमानवीय फैसले को सही साबित करते रहते हैं। लेकिन वे अपनी पार्टी के नेता द्वारा लिए गए एक घोर अलोकतांत्रिक और संविधान का गला घोंटने वाले निर्णय, अमानुषिक और तानाशाही रवैये के लिए माफी मांगने का नैतिक और राजनीतिक साहस जुटा नहीं पाते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संविधान की हत्या कर 1975 में देश पर थोपी गई तानाशाही

इमरजेंसी का दिन कौन सा था? यह प्रश्न सालों से उलझा हुआ था। भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना (11 जुलाई, 2024) ने उस भ्रम को दूर किया है। अब यह सुनिश्चित हो गया है कि 25 जून 1975 को संविधान की हत्या कर देश पर तानाशाही थोपी गई। जो प्रश्न आज भी बहस में है, वह यह है कि क्या इमरजेंसी आवश्यक थी? इमरजेंसी क्यों लगाई गई?

कुछ लोग मानते हैं कि कांग्रेस के आंतरिक विद्रोह से बचने के लिए इमरजेंसी लगाई गई थी। दूसरे लोग कहते हैं, जेपी आंदोलन के कारण देश में अशांति का खतरा पैदा हो गया था। इसलिए इमरजेंसी लगाई गई थी।

देश में इमरजेंसी लगाए जाने के कारणों की इतिहासकार, पत्रकार, विश्लेषक और विद्वान खोज करते आ रहे हैं। वास्तव में इमरजेंसी लगाने का सिर्फ एक ही कारण था। वह यह था कि 24 जून 1975 को सुप्रीम कोर्ट से इंदिरा गांधी को अपने मामले में कोई राहत नहीं मिली। उनका चुनाव अवैध ही बना रहा। उस फैसले के बाद इंदिरा के सामने दो रास्ते थे। पहला, वह लोकतांत्रिक मार्ग अपनातीं। उस पर चलकर कांग्रेस संसदीय दल की बैठक बुलातीं। जिसमें वह कहतीं कि जब तक सुप्रीम कोर्ट से मेरे मुकदमे का फैसला नहीं हो जाता, तब तक पार्टी अपना नया नेता चुन ले। यदि ऐसा होता, तो लोकतांत्रिक होता और इमरजेंसी नहीं लगता, लेकिन उन्होंने दूसरा रास्ता चूना।

इस मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय में उस समय संयुक्त सचिव रहे बिशन टंडन ने अपनी डायरी में लिखा है कि जितना मैं प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को जानता हूं, यदि वे मुकदमा हार जाएंगी तो अपनी कुर्सी बचाने के लिए वे किसी भी हद तक जा सकती हैं। और यही हुआ।

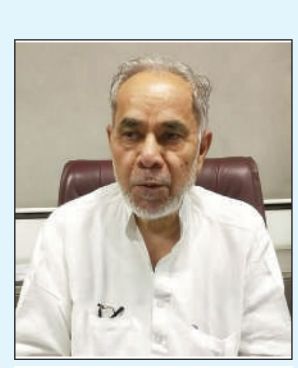

रामबहादुर राय (हि.स.)

12 जून, 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस सिन्हा के फैसले के दिन से ही इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाने की तैयारी शुरू कर दीं थीं। जस्टिस शाह की अध्यक्षता में इमरजेंसी पर बने जांच आयोग ने 12 जून 1975 से लेकर इमरजेंसी लगाए जाने की तारीख (25 जून) तक की हर घटनाक्रम की जांच की है। उन्होंने पाया है कि प्रधानमंत्री निवास से सरकार चलाई जा रही थी। सरकार कुछ लोग चला रहे थे, जिन्हें जनता ने 'चंडाल चौकड़ी' कहा है। पीएम निवास से ही मनमानी गिरफ्तारी की लिस्ट बनी और इमरजेंसी की घोषणा से पहले ही गिरफ्तारियां शुरू हो गईं।

एक और तथ्य सामने आया है। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के पास इमरजेंसी लगाने का जो पत्र भेजा गया था, वह राष्ट्रपति के साथ छल था। यदि राष्ट्रपति उस पत्र पर हस्ताक्षर कर देते, तो यह समझा जाता कि इमरजेंसी लगाने का निर्णय राष्ट्रपति का है। इंदिरा गांधी का नहीं। संविधान में यह व्यवस्था है कि यदि देश में इमरजेंसी जैसी कोई स्थिति पैदा होती है, तो उस पर मंत्रिमंडल विचार करेगा। मंत्रिमंडल की ओर से एक सिफारिश राष्ट्रपति को जाएगी और राष्ट्रपति उस पर सिफारिश या प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करेंगे। 25 जून 1975 को जब इमरजेंसी लगाई गई, वह इंदिरा गांधी की सिफारिश पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के हस्ताक्षर से लगी। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस संवैधानिक प्रावधान को पूरा नहीं किया। इंदिरा मंत्रिमंडल को इमरजेंसी लगने की जानकारी ही नहीं थी।

तत्कालीन कैबिनेट सचिव बीडी पांडेय ने अपनी गवाही में कहा है कि 26 जून की सुबह 4 बजे पीएम आवास से फोन आया कि सुबह छह बजे मंत्रिमंडल की बैठक है। उसी समय पीएम निवास से ही मंत्रियों को फोन किया गया था, जबकि मंत्रिमंडल बैठक की जानकारी और एजेंडा कैबिनेट सचिव, मंत्रियों को देते हैं।

इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाली सरकार और उनके मंत्रिमंडल ने इसे संविधान हत्या दिवस कहा है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार के समूह संपादक और आईजीएनसीए के अध्यक्ष हैं।)

एसआईटी और विजीलैंस ब्यूरो की जांच में बिक्रम सिंह मजीठिया द्वारा बड़े स्तर पर ड्रग मनी की लॉन्डरिंग का खुलासा हुआ

मजीठिया के कंट्रोल वाली कंपनियों के बैंक खातों में 161 करोड़ रुपए की बड़ी बेहिसाबी नकदी जमा होने के मिले रिकार्ड

संवाददाता
चंडीगढ़

पुलिस थाना पंजाब स्टेट क्राइम में साल 2021 में दर्ज एफआईआर नंबर 02 की जांच कर रही विशेष जांच टीम (ऐसआईटी) और विजीलैंस ब्यूरो द्वारा की गई जांच में बिक्रम सिंह मजीठिया की तरफ से ड्रग मनी की बड़े स्तर पर लॉन्डरिंग का खुलासा हुआ है। प्राथमिक जांच से पता लगा है कि इस केस में 540 करोड़ रुपए से अधिक की ड्रग मनी का कई अवैध तरीकों के साथ लेन-देन किया गया, जिसमें

(क) बिक्रम सिंह मजीठिया के कंट्रोल वाली कंपनियों के बैंक खातों में जमा 161 करोड़ रुपए की बड़ी बेहसाबी नकदी,

(ख) संदिग्ध विदेशी संस्थाओं के द्वारा 141 करोड़ रुपए का लेन- देन,

(ग) कंपनी के वित्तीय विवरणों (स्टेटमैंटों) में बिना किसी जानकारी/ स्पष्टीकरण के 236 करोड़ रुपए की अधिक जमा राशि और

(घ) बिक्रम सिंह मजीठिया द्वारा आय के किसी जायज स्रोत से बिना चल/ अचल जायदाद की प्राप्ति शामिल है।

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने आज यहाँ बताया कि विजीलैंस ब्यूरो ने पुलिस थाना पंजाब स्टेट क्राइम ऐसएऐस नगर में ऐनडीपीऐस एक्ट 1985 की धारा 25, 27- ए और 29 के अंतर्गत दर्ज एफआईआर नंबर 02 तारीख 20- 12- 2021 की जांच कर रही विशेष जांच टीम (ऐसआईटी) की रिपोर्ट के आधार पर केस दर्ज किया है, जिसमें बिक्रम सिंह मजीठिया की तरफ से बड़े स्तर पर ड्रग मनी की लॉन्डरिंग को दशार्ते ठोस सबूत मिले हैं।

इस केस में विजीलैंस ब्यूरो की तरफ से हर तरह के लेन-देन की जांच की जा रही है और एस. आई. टी. द्वारा की गई जांच से स्पष्ट तौर पर पता चलता है कि यह फंड बिक्रम सिंह मजीठिया के कंट्रोल वाली सराया इंडस्ट्रीज के खाते में जमा की गई ड्रग मनी से सम्बन्धित हैं।

- संदिग्ध विदेशी संस्थाओं के द्वारा 141 करोड़ रुपए के लेन-देन के सबूत मिले
- कंपनी के वित्तीय विवरणों में बिना किसी जानकारी/ स्पष्टीकरण के 236 करोड़ रुपए की अधिक जमा राशि का पता लगा
- एस. आई. टी. द्वारा 22 व्यक्तियों के ठिकानों और विजीलैंस ब्यूरो द्वारा 3 स्थानों पर की गई छापेमारी और बरामदी कार्यवाहियों में 30 से अधिक मोबाइल फोन, 5 लैपटाप, 3 आईपैड, 2 डेस्कटॉप, कई डायरियाँ, संपत्ति के कई दस्तावेज और सराया इंडस्ट्रीज से सम्बन्धित दस्तावेज मिले

विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने आगे बताया कि अब तक गैर- कानूनी ढंग के साथ 540 करोड़ रुपए की ड्रग मनी की लॉन्डरिंग बारे पता चला है, जिसको बिक्रम सिंह मजीठिया की तरफ से तत्कालीन पंजाब सरकार में एक विधायक के तौर पर और पूर्व कैबिनेट मंत्री के पद के प्रभाव और गलत ढंग के साथ प्रयोग के जरिये जमा किया गया था।

विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने कहा कि बिक्रम सिंह मजीठिया और उनकी पत्नी गिनीव कौर के नाम पर चल/ अचल जायदादों में काफी विस्तार हुआ है जिसके लिए आमदन का कोई जायज स्रोत पेश नहीं किया गया।

विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता अनुसार ऐसआईटी की तरफ से 22 व्यक्तियों के ठिकानों और विजीलैंस ब्यूरो की तरफ से 3 स्थानों पर तलाशी और बरामदगी की कार्यवाहियां की गई जिसमें 30 से अधिक मोबाइल फोन, 5 लैपटाप, 3 आईपैड, 2 डेस्कटॉप, कई डायरियाँ, संपत्ति के कई दस्तावेज और सराया इंडस्ट्रीज से सम्बन्धित कई दस्तावेज मिले हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि बिक्रम सिंह मजीठिया को विजीलैंस ब्यूरो की तरफ से कानून अनुसार उचित प्रक्रिया की पालना के अंतर्गत गिरफ़्तार किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस केस की जांच जारी है, जिसमें और गिरफ़्तारियाँ, तलाशियां और बरामदगियां होने की संभावना है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि जांच को तार्किक निष्कर्ष पर लेजाने और न्यायिक फैसले हेतु सभी इकठ्ठा किये सबूतों को सम्बन्धित अदालत के समक्ष रखा जायेगा और उचित प्रक्रिया की पालना की जायेगी।

संधवां ने विद्यार्थियों को राजनीति में रुचि लेने और स्वयं राजनीति करने के लिए किया प्रेरित

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने आज पंजाब के 35 कॉलेजों से आए 100 से अधिक विद्यार्थियों और प्रोफेसरों से मुलाकात की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्पीकर से उनकी जिम्मेदारियों, विधानसभा की कार्यवाही और राजनीतिक दबावों से निपटने के तरीकों पर प्रश्न पूछे। स्पीकर ने बताया कि वे विपक्ष को बराबर बोलने का अवसर देते हैं।

स्पीकर संधवां ने कहा कि राजनीति वास्तव में जनसेवा है और हमें अपनी कौम की सेवा पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करनी चाहिए। जब विद्यार्थियों ने सदन की कार्यवाही को पारदर्शी बनाने के बारे में प्रश्न किया तो उन्होंने कहा कि यदि न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका अपने-अपने कार्य ईमानदारी से करें तो सदन की कार्यवाही और अधिक पारदर्शी हो सकती है। उन्होंने बताया कि वे 2022 से विधानसभा की कार्यवाही का सीधा प्रसारण करवा रहे हैं ताकि आम जनता भी इसे सुन सके और

सदन की गतिविधियों से अवगत हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया कि वे भी सदन की कार्यवाही देखें और अपने क्षेत्र के विधायक से यह अवश्य पूछें कि उन्होंने जनता की भलाई के लिए क्या कार्य और कानून बनाए हैं।

जब विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा की बढ़ती महंगाई पर सवाल उठाया तो स्पीकर ने कहा कि शिक्षा सभी को निःशुल्क मिलनी चाहिए और वे इस विषय पर माननीय मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निवेदन करेंगे कि उच्च शिक्षा को निःशुल्क करने के प्रयास किए जाएं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा अपनाने के साथ अन्य भाषाएं भी सीखने की सलाह दी।

स्पीकर ने कहा कि सदन की कार्यवाही में वे हर जनप्रतिनिधि को समान अवसर देते हैं ताकि हर सदस्य अपनी बात रख सके। जब विद्यार्थियों ने पूछा कि चुनावी टिकट पाने के लिए तो बड़ी पार्टियों को लाखों रुपये देने पड़ते हैं, इस पर उन्होंने बताया कि वे स्वयं गांव के सरपंच थे और आम आदमी पार्टी ने उन्हें बिना कोई पैसे लिए टिकट दिया। उन्होंने कहा कि यदि आप लोगों के साथ जुड़े हुए हैं तो पार्टी स्वयं आपको टिकट देगी।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति जनता की सेवा है और हमें आम लोगों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को रोजाना एक शब्द गुरबानी पढ़ने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि पंजाब को और आगे बढ़ाना है तो उद्योगों को पंजाब में विकसित करना होगा। कृषि को भी एग्री बिजनेस के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है क्योंकि पंजाब की भूमि बहुत उपजाऊ है और ऐसी भूमि मिलना बहुत कठिन है।

स्पीकर ने विद्यार्थियों से कहा कि वे बड़े सपने देखें क्योंकि बड़े सपने देखने वाले ही अपने सपनों को साकार करते हैं। जीवन में तनाव न लें और खुशी-खुशी जीवन व्यतीत करें। उन्होंने विद्यार्थियों को सदन में लेकर गए, उन्हें सदन की कार्यवाही के बारे में जानकारी दी और उनके साथ एक डिबेट भी करवाई ताकि विद्यार्थियों की राजनीति में रुचि और बढ़े। इस मुलाकात में ह्यवन नेशन, वन इलेक्शनह्ल सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों और प्रोफेसरों ने स्पीकर को एक शॉल, एक विरासती हाथ वाला पंखा और एक सीनरी भेंट की।

लेबरफेड ने सोसायटियों की अधिसूचना के नवीनीकरण की मांग की

संवाददाता
चंडीगढ़

लेबरफेड पंजाब के चेयरमैन विश्वास सैनी व अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बुधवार को चंडीगढ़ प्रेस क्लब में मीडिया से अपनी समस्याएं साझा कीं। लेबरफेड के चेयरमैन ने कहा कि अगस्त 2024 के बाद पंजाब की सोसायटियों को अधिसूचित नहीं किया गया है, जिससे पंजाब की 2800 सोसायटियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर सोसायटियों के लिए नई अधिसूचना जारी करने में और देरी हुई तो 90 हजार परिवार दो वक्त की रोटी से भी वंचित हो जाएंगे।

लेबरफेड पंजाब के वाइस चेयरमैन मोहन सिंह ने कहा कि पंजाब की सभी सरकारी संस्थाओं द्वारा विकास कार्यों के लिए जारी किए गए टेंडरों के तहत लेबरफेड के तहत आने वाली सोसायटियों को 60 लाख रुपये तक के काम करवाने का प्रस्ताव दिया गया है। सभी विकास कार्यों के तहत एक-दो बड़े

टेंडर होने से राज्य सरकार को भारी वित्तीय घाटा हो रहा है। इसके साथ ही सोसायटियों में पूरी तरह से काम बंद हो गया है, जिसके कारण पंजाब के करीब 90 हजार परिवार पिछले दस महीनों से बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। लेबरफेड के चेयरमैन विश्वास सैनी ने मीडिया के माध्यम से पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान से अनुरोध किया है कि सोसायटियों के नोटिफिकेशन को गंभीरता से लें और तुरंत जारी करें, ताकि सोसायटियों के अधीन काम करने वाला श्रमिक बेरोजगारी की चपेट से बाहर आ सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि पंजाब के मुख्यमंत्री रोजगार को लेकर पूरी तरह से गंभीर हैं और वे लेबरफेड के अधीन सोसायटियों की समस्या का समाधान करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार को सोसायटियों में किसी तरह की कमी या भ्रष्टाचार नजर आता है तो वह इसके तहत विभागीय जांच करवाकर उचित कार्रवाई कर सकती है। चेयरमैन विश्वास सैनी ने राज्य सरकार को जांच में पूरा सहयोग देने का आश्वासन भी दिया है। लेबरफेड पंजाब के चेयरमैन विश्वास सैनी ने कहा कि वर्ष 1957 से सहकारी श्रम एवं निर्माण सोसायटियां देश के विकास में अपना अहम योगदान दे रही हैं। प्रत्येक सोसायटियों का गठन निर्धारित नियमों के अनुसार होता है जिसके तहत उन्हें निर्धारित नियमों के अंतर्गत रहकर विकास कार्यों को पूरा करना होता है। उन्होंने कहा कि अधिकतर सोसायटियां निर्धारित दरों से करीब 15 प्रतिशत घाटे पर विकास कार्यों के टेंडर लेकर राज्य सरकार को भारी वित्तीय सहायता भी प्रदान कर रही हैं।

इस अवसर पर लेबरफेड पंजाब के चेयरमैन विश्वास सैनी, वाइस चेयरमैन मोहन सिंह, डायरेक्टर रणजीत सिंह, लेबर यूनियन फरीदकोट के परमजीत सिंह, मोहाली के डायरेक्टर हरविंदर सिंह, लेबर यूनियन मोहाली के मैनेजर शिवदेव सिंह, संगरूर से लेबर यूनियन के प्रधान जसवीर सिंह, संगरूर लेबर यूनियन के मैनेजर रणतेज सिंह, पटियाला लेबर यूनियन के मैनेजर राकेश कुमार, फरीदकोट के डायरेक्टर दर्शन लाल, फिरोजपुर के डायरेक्टर विजय कुमार और लेबरफेड पंजाब समिति की मैनेजर रजनी शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

निर्वाचन आयोग ने 72 घंटों से कम समय के अंदर उप चुनावों के इंडैक्स कार्ड जारी किए: सिबिन सी

संवाददाता
चंडीगढ़

भारत के निर्वाचन आयोग ने केरल, गुजरात, पंजाब और पश्चिमी बंगाल राज्यों के पाँच विधान सभा क्षेत्रों में हाल ही में सम्पन्न हुये उप-चुनावों से सम्बन्धित नये डिजिटल प्लेटफार्म ईसीआईनैट को चालू कर दिया है। बताने योग्य है कि चुनाव आयोग ने इस साल 4 मई को एक नये वन-स्टाप प्लेटफार्म, ईसीआईनैट को विकसित करने का ऐलान किया था, जिस में ईसीआइ के 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वैब्ब ऐपलीकेशनों को जोड़ा गया था। हाल ही में हुये उप-चुनाव में ईसीआईनैट के कुछ माड्यूलों को सफलतापूर्वक लागू किया गया और आने वाले कुछ हफ़्तों में यह पूरी तरह कार्यशील हो जायेगा।

पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी सिबिन सी ने बताया कि ईसीआईनैट

- उप चुनावों के दौरान ईसीआईनैट्ट के कुछ माड्यूलों को सफलतापूर्वक लागू किया

निर्वाचन आयोग की महत्तवपूर्ण पहलों में से एक है, जिसको मुख्य चुनाव कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व और चुनाव कमिश्नर डा. सुखबीर सिंह संधू और डा. विवेक जोशी के मार्गदर्शन में लागू किया जा रहा है, जो वोटरों और अन्य हिस्सेदारों को मतदान सम्बन्धी समय पर जानकारी की सुविधा प्रदान कर रहा है।

उप-चुनाव के दौरान प्रीजाईडिंग अफसरों (पीआओज) द्वारा पहले की तरह मैनुअल प्रक्रिया के उलट वीटिआर रूझानों (वोटर टर्नआउट) को सीधे ईसीआईनैट पर अपलोड किया गया। यह प्लेटफार्म तेजी से जानकारी प्रदान करने, पारदर्शिता में वृद्धि और वीटिआर रूझानों को प्रकाशित करने में लगते समय को घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ईसीआईनैट के द्वारा यह यकीनी बनाया गया कि पीआरओज अपने- अपने पोलिंग स्टेशनों से बाहर जाने से पहले फाईनल वीटियार आंकड़े अपलोड करें, जिस कारण लोगों को ईसीआईनैट पर वीटिआर रूझानों की जानकारी और ज्यादा तेजी से मिलेगी। इस और ज्यादा सुचारू और प्रौद्यौगिकी- आधारित प्रणाली के जरिये सभी भाईवालों को उप-मतदान के दौरान वोट फीसद के रूझानों के बारे समय पर अपडेट प्राप्त हुए।

इसके इलावा ईसीआईनैट की सहलूत स्वरूप इंडैक्स कार्डों को भी और ज्यादा तेजी से प्रकाशित करने में बड़ी मदद मिली, जो चुनाव नतीजों के ऐलान के 72 घंटों के अंदर उपलब्ध करवा दिए गए।

डेयरी फार्मिंग को प्रोत्साहन: पंजाब सरकार ने 30 हजार से अधिक दुधारू पशुओं का किया बीमा

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के पशु पालन, डेयरी विकास और मछली पालन मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज बताया कि डेयरी विकास विभाग ने डेयरी फार्मिंग क्षेत्र को बढ़ावा देते हुये डेयरी पेशे से जुड़े किसानों को अहम वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने और उनकी रोजी- रोटी की रक्षा करने के लिए केवल एक साल के दौरान राज्य भर में 30,598 दुधारू पशुओं का बीमा करवा के मील का पत्थर स्थापित किया है। यहाँ अपने दफ़्तर में विभाग के चल रहे प्रोजेक्टों की समीक्षा करते हुये स. खुड्डियां ने बताया कि राष्ट्रीय पशुधन मिशन के जोखिम प्रबंधन और पशुधन बीमा योजना अधिकतम 70,000 रुपए प्रति पशु क्लेम सीमा के साथ जनरल वर्ग के किसानों के लिए 1120 रुपए और अनुसूचित जाति/ पिछड़ी श्रेणी के

किसानों के लिए 672 रुपए की सालाना प्रीमियम दरों की पेशकश करती है। उन्होंने बताया कि प्रभावित डेयरी किसानों को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करते हुये अब तक 1056 किसानों को 7.39 करोड़ रुपए बाँटे जा चुके हैं। स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने दोहराया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार डेयरी किसानों की भलाई के प्रति वचनबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत की कि वह नौजवानों को डेयरी फार्मिंग के बारे सक्रियता से जागरूक करें और उनको विभागीय स्कीमों के बारे अवगत करवाएं जिससे जमीनी स्तर पर लोग इसका अधिकतम लाभ उठा सकें। पशु पालन विभाग के प्रमुख सचिव श्री राहुल भंडारी ने कैबिनेट मंत्री को बताया कि वित्तीय साल 2024-25 के दौरान 2 से 20 पशुओं वाले डेयरी यूनिट स्थापित करने के लिए 204 किसानों को 3 करोड़ रुपए बाँटे गए हैं। 9150 बेरोजगार नौजवानों को स्वै-रोजगार के योग्य बनाने के लिए डेयरी प्रशिक्षण दिया गया।

संक्षिप्त-समाचार

जालंधर में एक सप्ताह में शुरू होगी ह्यईजी प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशनह्ल: मोहिंदर भगत

जालंधर। पंजाब के बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी और रक्षा सेवा कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने घोषणा की कि जालंधर में एक सप्ताह के भीतर ह्यईजी प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशनह्ल का काम शुरू हो जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने आज सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट रणदीप सिंह हीर के साथ उप रजिस्ट्रार दफ्तर परियोजना के चल रहे काम की समीक्षा की और राजस्व विभाग के अधिकारियों को लंबित काम समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री ने इसे एक क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहा कि यह नई प्रणाली लोगों को कई दफ्तरो के चक्कर लगाने से बचाएगी साथ ही एजेंटों और बिचौलियों से छुटकारा दिलाएगी। उन्होंने कहा कि नागरिक सेवाएं प्रदान करने में यह सुधार संपत्ति रजिस्ट्रेशन को आसान, तेज और पारदर्शी बनाएगा। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों के पंजीकरण तक की प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल होगी, जिससे अनावश्यक देरी खत्म होगी और अधिक पारदर्शिता आएगी। उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधा बढ़ाने के लिए राज्य भर के सब-रजिस्ट्रार दफ्तरों में एयर कंडीशनिंग, वेटिंग हॉल, टोकन डिस्प्ले एलईडी आदि लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा अधिकृत डीड राइटर नाममात्र फीस पर उपलब्ध रहेंगे और बिना किसी परेशानी के पेशेवर तरीके से सहायता प्रदान करेंगे। श्री भगत ने कहा कि पंजाब सरकार नवीनतम तकनीकों के माध्यम से प्रभावी प्रशासनिक सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ह्यईजी प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशनह्ल परियोजना राजस्व विभाग की सेवाएं प्रदान करने में मील का पत्थर साबित होगी।

जिला प्रशासन द्वारा आज मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस

जालंधर। जिला प्रशासन द्वारा 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस मनाया जा रहा है और इस अवसर पर जिले भर में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिला प्रशासकीय परिसर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक में अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ज) अमनिंदर कौर ने कहा कि इस अवसर पर सभी सरकारी दफ्तरों में नशे के खिलाफ शपथ ली जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की।उन्होंने कहा कि एन.सी.सी., एन.एस.एस., एन.जी.ओ. और स्पोर्ट्स स्वयंसेवकों की मदद से विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आम लोगों में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाई जाएगी। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित जागरूकता गतिविधियों/प्रोग्रामों में युवाओं की भागीदारी पर विशेष जोर दिया ताकि समाज में नशे के खिलाफ एक मजबूत संदेश भेजा जा सके। इस अवसर पर ए.डी.सी.पी. आकर्षि जैन भी मौजूद थी। उन्होंने सी.डी.पी.ओ. को गांव स्तर पर युवाओं को शामिल करने और नशे के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के निर्देश भी दिए।

हरमीत सिंह कालका दोबारा चुने गए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों का आंतरिक चुनाव आज गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब, नई दिल्ली स्थित मुख्य कार्यालय में हुआ। इस चुनाव में जनरल हाउस द्वारा सरदार हरमीत सिंह कालका को फिर से सर्वसम्मति से प्रधान और सरदार जगदीप सिंह काहलों को जनरल सेक्रेटरी चुना गया। सरदार हरविंदर सिंह केपी को गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का उप-प्रधान, सरदार आत्मा सिंह लुबाना को जूनियर उप-प्रधान और सरदार जस्मेन सिंह नोनी को जॉइंट सेक्रेटरी चुना गया है। जनरल हाउस में से दस सदस्यों को कार्यकारी बोर्ड में शामिल किया गया है, ये सदस्य हैं: सरदार अमरजीत सिंह पिंकी, सरदार अमरजीत सिंह पप्पू (फतेह नगर), बीबी रंजीत कौर, सरदार सरवजीत सिंह विरक, सरदार बलबीर सिंह (विवेक विहार), सरदार जबीर सिंह जसी, सरदार गुरमीत सिंह भाटिया, सरदार सुरजीत सिंह जीती, सरदार रमिंदर सिंह स्वीटा और सरदार भुपिंदर सिंह भुल्लर। सरदार हरमीत सिंह कालका के अनुसार, चुनाव सर्वसम्मति से हुआ और सभी अधिकारी एवं कार्यकारी बॉडी के सदस्य बिना किसी विरोध के चुने गए।

स्पेशल डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) ने पठानकोट में पुलिस, सेना, सिविल प्रशासन और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता

श्री अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित और सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता सुरक्षा प्रबंध किए गए: स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला

संवाददाता
चंडीगढ़/पठानकोट

श्री अमरनाथ यात्रा 2025 को सुरक्षित और सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए पंजाब पुलिस द्वारा व्यापक, बहुस्तरीय और अंतर-एजेंसी सुरक्षा एवं समन्वय योजना लागू की गई है, जिसमें श्रद्धालुओं की सुरक्षा हेतु उन्नत निगरानी, बलों की रणनीतिक तैनाती और 24 घंटे समन्वय सुनिश्चित किया गया है। यह जानकारी आज स्पेशल डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) श्री अर्पित शुक्ला ने दी।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई 2025 से प्रारंभ होकर 9 अगस्त 2025 तक चलेगी। इस वार्षिक यात्रा में देशभर से लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिनमें से कई श्रद्धालु जम्मू-कश्मीर स्थित पवित्र गुफा जाने के लिए विशेष रूप से पंजाब के पठानकोट जिले से होकर गुजरते हैं। स्पेशल डीजीपी ने वार्षिक तीर्थ यात्रा हेतु सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा और पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए पुलिस, सेना, सिविल प्रशासन और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ उच्च स्तरीय सुरक्षा एवं समन्वय बैठक की अध्यक्षता की।

पठानकोट में आयोजित इस बैठक के दौरान अमरनाथ यात्रा से जुड़े रणनीतिक प्रबंधों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें पुलिस बलों की तैनाती, सुरक्षा प्रबंध, यातायात व्यवस्था और आपदा प्रबंधन जैसे विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला ने कहा कि पठानकोट की रणनीतिक स्थिति, जो पाकिस्तान के साथ 26.385 किलोमीटर की अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है और जहां महत्वपूर्ण रक्षा इकाइयां स्थित हैं, को देखते हुए

सुरक्षा में अतिरिक्त सतर्कता की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा को और मजबूत करते हुए जम्मू एवं कश्मीर की ओर जाने वाली सभी सड़कों की जिम्मेदारी कमांडेंट स्तर के अधिकारियों को सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि कमांडेंट रैंक के अधिकारियों की निगरानी में यात्रा मार्ग को सुरक्षा क्षेत्रों में विभाजित किया गया है ताकि 24 घंटे जमीनी स्तर पर निगरानी और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने आगे बताया कि नाका माधोपुर में 24 घंटे संचालित कमांड एवं कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है, जिसकी निगरानी एक राजपत्रित अधिकारी द्वारा की जा रही है, जो उन्नत निगरानी प्रणालियों के माध्यम से सभी वाहनों और श्रद्धालुओं की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं।

स्पेशल डीजीपी ने बताया कि संभावित खतरों की पहचान और उन्हें समय रहते रोकने के लिए रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों, लंगर स्थलों, धार्मिक स्थलों और पूरे यात्रा मार्ग सहित संवेदनशील स्थानों पर प्रतिदिन एंटी-सबोटाज और सुरक्षा जांच की जा रही है।

उन्होंने बताया कि पठानकोट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) दलजिंदर सिंह ढिल्लों की निगरानी में सुरक्षा प्रबंध लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने के लिए मोबाइल निगरानी यूनिट, हाई-रिजॉल्यूशन सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन आधारित हवाई निगरानी, जीपीएस समर्थित गश्त और रियल-टाइम रिपोर्टिंग प्रणाली जैसे अतिरिक्त तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि पुलिस द्वारा यात्रा मार्ग के पेट्रोल पंप, ढाबा, होटल, गेस्ट हाउस और सड़क किनारे स्थित अन्य प्रतिष्ठानों के मालिकों एवं स्टाफ को विशेष जानकारी और प्रशिक्षण दिया गया है ताकि वे किसी भी असामान्य गतिविधि, संदिग्ध वस्तु या अज्ञात व्यक्ति की सूचना तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन को दे सकें।

इस बैठक में डीआईजी बॉर्डर रेंज सतिंदर सिंह, एआईजी सुखमिंदर सिंह मान, डिप्टी कमिश्नर पठानकोट आदित्य उप्पल, डिप्टी कमिश्नर होशियारपुर आशिका जैन, डिप्टी कमिश्नर कठुआ डॉ. राकेश मिन्हास, एसएसपी पठानकोट दलजिंदर सिंह ढिल्लों, एसएसपी होशियारपुर संदीप कुमार मलिक, भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना और केंद्रीय एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी, तथा पड़ोसी राज्यों जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के पुलिस एवं सिविल अधिकारी भी उपस्थित थे।

हल्द्वानी में उफनाती नहर में गिरी कार, एक मासूम सहित चार की मौत व तीन घायल

नहर में गिरने के दौरान कार उलटी हो गई और बहकर पुलिया के नीचे फंस गई

❍ मौके पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मि

एजेंसी (हि.स.)
हल्द्वानी

फोटोः हि.स.

तेज बरसात के बीच उफनाती नहर में एक कार गिरने से चार जिंदगियां एक पल में खत्म हो गईं। बुधवार सुबह फायर ब्रिगेड दफ्तर के पीछे बहने वाली सिंचाई नहर में एक कार अनियंत्रित होकर गिर गई। कार सवार एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार उधमसिंहनगर जिलेके किच्छा के रहने वाले यह लोग कार से कहीं जा रहे थे। सुबह तेज बारिश के बीच उनकी कार अनियंत्रित होकर सिंचाई नहर में गिर गई। नहर में गिरने के दौरान कार उलटी हो गई और बहकर पुलिया के नीचे फंस गई। जिसके कारण कार के अंदर पानी घुस गया और लोग इसमें फंस गए। इससे कार में बैठे लोगों को संभलने का मौका ही नहीं मिला। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मिलकर कार को नहर से बाहर निकाला। इस दौरान बड़ी संख्या में भीड़ भी जुट गई।कार सवार एक बच्चे सहित चार लोगों की मौत हो गई और तीन कोगंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया।

घटना के संबंध में एसपी सिटी प्रकाश चंद्र ने बताया कि अग्नि शमन कार्यालय के पास नहर में गिरी कार में कुल सात लोग सवार थे। जिसमें एक बच्चे सहित चार की मौत हो गई है। जबकि तीन लोगों का उपचार चल रहा है। पुलिस की जानकारी के अनुसार ये लोग उधमसिंह नगर किच्छा के रहने वाले थे। अभी मृतकों की शिनाख्त में नहीं हो सकी है।

कलबुर्गी शहर के बाहरी इलाके में तीनों लोगों की हत्या

कलबुर्गी (कर्नाटक)। कर्नाटक के कलबुर्गी शहर के बाहरी इलाके पट्टन गांव के पास एक ढाबे पर बदमाशों ने मंगलवार देर रात कथित तौर पर तीन लोगों की हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना मंगलवार देर रात डेढ़ बजे की है। मृतकों की पहचान सिद्दरूधा (32), जगदीश (25) और रामचंद्र (35) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तीनों आपस में रिश्तेदार थे और ढाबे पर काम करते थे। पुलिस को संदेह है कि घटना के पीछे पुरानी रंजिश है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के लिए घातक हथियारों का इस्तेमाल किया और वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। कलबुर्गी उपनगरीय पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

एक्सिओम मिशन-4 उड़ान को तैयार

❍ शुभांशु शुक्ला पर देश की नजरा

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

फोटोः हि.स.

भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला इतिहास रचने को तैयार हैं। फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से आज सुबह 2:31 बजे ईडीटी (12:01 बजे आईएसटी) उड़ान भरने वाला एक्सिओम मिशन-4 स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान में चार अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाएगा। इसे फाल्कन 9 रॉकेट द्वारा कक्षा में प्रक्षेपित किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए ऐतिहासिक निजी अंतरिक्ष उड़ान एक्सिओम मिशन-4 की लांचिंग आज कैनेडी स्पेस सेंटर से होनी है।नासा और स्पेसएक्स के सहयोग से एक्सिओम स्पेस ने इस मिशन को तैयार किया है। इसमें कई देशों के अंतरराष्ट्रीय क्रू मेंबर शामिल हैं। यह कमर्शियल और वैश्विक अंतरिक्ष एक्सप्लोरेशन में एक बड़ा कदम है। भारत के लिहाज से खास बात ये है कि इसमें भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला भी रवाना हो रहे हैं। किसी भी भारतीय एस्ट्रोनॉट की आईएसएस के लिए ये पहली उड़ान होगी। इस पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई हैं।

स्पेसएक्स के लाइव प्रसारण के अनुसार, सुबह 2:31 बजे उड़ान भरने वाला यह मिशन स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान में चार अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाएगा। इसे फाल्कन 9 रॉकेट से कक्षा में प्रक्षेपित किया जाएगा। आईएसएस के साथ डॉकिंग 26 जून को लगभग 7:00 बजे होने की उम्मीद है। स्पेसएक्स के अनुसार, लॉन्च के लिए सभी सिस्टम अच्छे दिख रहे हैं और लिफ्टऑफ के लिए मौसम 90 प्रतिशत अनुकूल है।

चालक दल में इसरो का प्रतिनिधित्व करने वाले शुभांशु शुक्ला मिशन के पायलट के रूप में काम करेंगे। उनके साथ अनुभवी नासा अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन, पोलैंड से ईएसए अंतरिक्ष यात्री स्लावोज उज्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी से टिबोर कापू भी शामिल हैं। भारत, हंगरी और पोलैंड के लिए, यह मिशन लंबे अंतराल के बाद मानव अंतरिक्ष यान की वापसी का प्रतीक है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले साल 1984 में अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष की यात्रा की थी। राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष से कहा था, 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्ता हमारा।

लोकतंत्र को बचाए रखने के लिए आपातकाल की यादों को ज़िंदा रखना जरूरी : खंडेलवाल

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने आपातकाल के 50 साल पूरे होने के मौके पर कहा कि तानाशाहों की सरकार सुनो- इस गीत को याद करते ही देश में 1975 से 1977 का आपातकाल का वो काला समय स्मरण हो आता है, जब जेलों में ठूंसे गए लोग दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में तिहाड़ जेल से कैदियों की बस में सुनवाई के लिए आते थे और उनके हाथों में हथकड़ी बंधी होती थी। उन्होंने बताया कि इस गीत की हर पंक्ति, हर स्वर, आज भी हमारे सीने में ज्वालामुखी बनकर धधक रही है। ये बंदी कोई कातिल या मुजरिम नहीं थे, बल्कि भारत में लोकतंत्र की हत्या करने वाली तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ आवाज उठाने का साहस करने वाले लोग थे, जिन्हें हथकड़ियां पहना कर तिहाड़ जेल से तीस हजारी कोर्ट लाया जाता था। खंडेलवाल ने हिन्दुस्थान समाचार के साथ बातचीत में कहा कि उन्होंने इस तरह के अनेक दृश्यों को अपनी आंखों से देखा था क्योंकि उनके ताऊजी दिवंगत सतीश चंद्र खंडेलवाल और पिता विजय खंडेलवाल भी आपातकाल में बंदी के तौर पर दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद रहे थे। उनका परिवार दिल्ली के हजारों आपातकाल के सताए हुए परिवारों में से एक है। खंडेलवाल ने कहा कि आज से 50 साल पहले आज ही के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया था। यह वह दिन था जब संविधान को बेदर्दी से कुचला गया, जनता की आवाज को दबा दिया गया।

खंडेलवाल ने कहा कि लोकतंत्र को बचाए रखने के लिए आपातकाल की यादों को ज़िंदा रखना जरूरी है।

ईडी की कर्नाटक में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी

बेंगलुरु। इंजीनियरिंग सीट आवंटन घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने कर्नाटक राज्य में विभिन्न स्थानों पर छापे मारे हैं। सूत्रों के अनुसार ईडी की टीम बेंगलुरू सहित 18 स्थानों पर इंजीनियरिंग कॉलेजों और कॉलेज शासी निकाय के सदस्यों के घरों पर छापे और निरीक्षण की कार्रवाई कर रही है। पिछले साल बेंगलुरु के मल्लेश्वरम में सीईएन पुलिस स्टेशन में प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों में अवैध रूप से सीटें आवंटित करने का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने इस मामले में मुख्य व्यक्ति सहित 10 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया था। कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण के एक कर्मचारी की मदद से प्राप्त पासवर्ड का उपयोग करके आरोपित उन छात्रों की सीटें ब्लॉक कर रहे थे, जिन्होंने सरकारी सीटें तो हासिल कर ली थीं, लेकिन कॉलेज नहीं चुना था। फिर वे उन सीटों को लाखों रुपये में मैनेजमेंट कोटे के तहत दूसरों को बेच रहे थे। यह धंधा कॉलेज प्रबंधन और बिचौलियों की मदद से चल रहा था। पुलिस जांच में पता चला है कि यह धंधा उन लोगों को निशाना बनाकर किया जा रहा था जो कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण की काउंसलिंग में शामिल हुए थे, लेकिन कॉलेज के लिए चयनित नहीं हुए थे। ईडी अधिकारियों ने घोटाले में धन के कथित अवैध हस्तांतरण की अलग से जांच शुरू की थी।

बांग्लादेश में पांच प्रमुख धार्मिक दल मिलकर लड़ेंगे चुनाव

❍ संपर्क समिति का गठन किया, समिति में हर दल से दो प्रतिनिधि शामिल

एजेंसी (हि.स.)
ढाका

फोटोः हि.स.

बांग्लादेश के पांच प्रमुख धार्मिक दल आगामी आम चुनाव मिलकर लड़ेंगे। पांचों में सहमति हो गई है। इसके लिए एक संपर्क समिति का गठन किया गया है। समिति में हर दल से दो प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं। राष्ट्रीय सहमति आयोग की वार्ता पूरी होने के बाद यह पांचों कौमी मदरसा आधारित दल एक बार फिर विचार-विमर्श करेंगे। ये पार्टियां हैं इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश, खिलाफत मजलिस, बांग्लादेश खिलाफत मजलिस, जमीयत उलमा-ए-इस्लाम और नेजाम-ए-इस्लाम पार्टी।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, यह सभी दल पिछले कई सालों से इस्लामी एकता बनाने के मुद्दे पर लगातार चर्चा कर रहे हैं। 1971 में मुक्ति संग्राम का विरोध करने वाली जमात-ए-इस्लामी को इस संभावित चुनावी गठबंधन में शामिल नहीं किया गया है। इससे पहले इस वर्ष 23 अप्रैल को इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश कार्यालय में इन पांच इस्लामी दलों की संयुक्त बैठक हुई थी।

इस बैठक की अध्यक्षता इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश के अमीर मुफ्ती सैयद मोहम्मद रजाउल करीम उर्फ चारमोनई पीर ने की। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के महासचिव मौलाना मंजुरुल इस्लाम अफेंदी ने कहा कि चुनाव में हम संयुक्त उम्मीदवार उतारेंगे।

संक्षिप्त-समाचार

ईरान ने इजराइल के लिए जासूसी के आरोप में तीन और कैदियों को फांसी दी

दुबई। ईरान ने इजराइल के लिए जासूसी के आरोप में बुधवार को तीन और कैदियों को फांसी दे दी। ईरान की सरकारी ह्यइरनाह्व समाचार एजेंसी ने इस बारे में खबर दी। कैदियों को ईरान के पश्चिम अजरबैजान प्रांत की उर्मिया जेल में फांसी दी गई। पश्चिम अजरबैजान देश का सबसे उत्तर पश्चिमी प्रांत है। 'इरना' ने खबर में ईरान की न्यायपालिका का हवाला देते हुए कहा कि इन व्यक्तियों पर देश में हथियार लाने का आरोप था। ईरान ने इजराइल के साथ अपने युद्ध के दौरान कई लोगों को फांसी की सजा दी है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने आशंका जताई है कि संघर्ष समाप्त होने के बाद कई और लोगों को फांसी पर लटकाया जा सकता है। फांसी पर लटकाए गए तीनों व्यक्तियों की पहचान ईरान ने आजाद शोजाई, इद्रिस आली और इराकी नागरिक रसूल अहमद रसूल के रूप में की है। बुधवार को दी गई फांसी के साथ ही 16 जून से युद्ध के दौरान जासूसी के आरोप में फांसी की सजा पाने वालों की कुल संख्या छह हो गई है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल पर इजराइल के साथ संघर्ष विराम लागू होने के बाद ईरान के लोग अब धीरे धीरे सामान्य जीवन में लौटने की कोशिश कर रहे हैं।

गंजम में किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बरहामपुर/ओडिशा। ओडिशा के बरहामपुर शहर में एक निजी क्लिनिक के मालिक (47) को एक अपार्टमेंट में नर्सिंग की छात्रा से दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी को मंगलवार को शहर के बैद्यनाथपुर थाने ने गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने 17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म करने में आरोपी की मदद करने के आरोप में 21 वर्षीय एक युवती और 50 वर्षीय एक महिला को भी सोमवार को गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी एक मजदूर संगठन का जिला अध्यक्ष है। अधिकारी ने बताया कि किशोरी आरोपी के क्लिनिक में काम करती थी और उसके पिता को यह आश्वासन दिया गया था कि क्लिनिक मालिक उसकी बेटी को बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई में मदद करेगा। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने यह भी वादा किया था कि पढ़ाई के दौरान किशोरी को मुफ्त रहने की सुविधा भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सोमवार को वह किशोरी को अपार्टमेंट के एक कमरे में ले गया, जहां आरोपी की महिला सहायकों ने उसे पानी दिया। पानी पीने के बाद उसे चक्कर आने लगा। आरोपी उसे बेडरूम में ले गया और वहां कथित तौर पर उससे दुष्कर्म किया। बाद में पीड़िता अपनी मौसी के घर गई और घटना की जानकारी दी जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस अधीक्षक (बरहामपुर) सरवण विवेक एम ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय सहिंता (बीएनएस) और 'यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण' (पॉक्सो) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपी फर्जी होम्योपैथी डिग्री वाला एक फर्जी डॉक्टर था और क्लीनिक चलाता था। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

नशे में स्कूल पहुंची शिक्षिका, निलंबित

धार/मध्यप्रदेश। मध्यप्रदेश के धार जिले में एक महिला शिक्षिका कथित तौर पर नशे की हालत में स्कूल पहुंची और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया, जिसके बाद अधिकारियों ने उसे निलंबित कर दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सोमवार को सरकारी प्राथमिक विद्यालय में नशे में धुत शिक्षिका के व्यवहार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। आदिवासी शिक्षा विभाग के सहायक आयुक्त नरोत्तम वरकड़े ने बताया कि शिक्षिका को निलंबित कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई के लिए विभागीय जांच की जाएगी। यह स्कूल जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर मनावर विकासखंड के सिंघाना गांव में स्थित है। वरकड़े ने बताया कि मनवर ब्लॉक में एक एकीकृत स्कूल परिसर है, जहां शिक्षिका 23 जून को नशे की हालत में पहुंची और वहां काम कर रहे मजदूरों और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया। वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मनावर ब्लॉक संसाधन समन्वयक (बीआरसी) किशोर कुमार को मामले की जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, ₹हमने वीडियो का संज्ञान लिया और जांच के लिए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और बीआरसी की एक संयुक्त टीम बनाई।

ईरान का ट्रंप को दो टूक जवाब नहीं रुकेगा परमाणु कार्यक्रम

❍ फिर से शुरू होगा यूरेनियम संवर्धना

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान/वॉशिंगटन

फोटोः हि.स.

ईरान की परमाणु ऊर्जा एजेंसी (एईओआई) ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया दावे को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम किसी भी कीमत पर नहीं रुकेगा। एईओआई के प्रवक्ता ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि ईरान यूरेनियम संवर्धन को दोबारा शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है और यह प्रक्रिया किसी बाहरी दबाव के अधीन नहीं है।

एईओआई ने कहा है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और यह हमारी राष्ट्रीय संप्रभुता और वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। हम अपने अधिकारों से पीछे नहीं हटेंगे। एजेंसी ने आगे कहा कि यूरेनियम संवर्धन की प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के दिशानिर्देशों के तहत की जाएगी, लेकिन राजनीतिक दबाव या समझौतों के आधार पर इसका त्याग नहीं किया जाएगा।

ईरान की यह प्रतिक्रिया तब आई जब राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि उनकी पहल से ईरान अब ₹दुनिया का सबसे घातक हथियार₹ यानी परमाणु बम कभी हासिल नहीं कर पाएगा। उन्होंने इस दावे को आधार बनाकर खुद को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित भी किया है।

दूसरी ओर, ईरान-इजराइल के बीच संघर्षविराम लागू होने को ट्रंप ने एक ह्लऐतिहासिक उपलब्धिह्व बताया। हालांकि ईरान ने न सिर्फ इस संघर्षविराम को ह्लएकतरफा अमेरिकी प्रचारह्व कहा, बल्कि ट्रंप के परमाणु दावों को भी राजनीतिक लाभ के लिए गढ़ा गया झूठ करार दिया है।

बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में दिल्ली-एनसीआर और पंजाब में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को 988 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत दिल्ली-एनसीआर और पंजाब में कई ठिकानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने 988 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 मामले में दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और पंजाब में कई ठिकानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई शिल्पी केबल्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एसीटीएल) कंपनी के प्रवर्तकों और कुछ संबद्ध संस्थाओं के खिलाफ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत दिल्ली-एनसीआर में नौ ठिकानों और जालंधर में एक परिसर पर ये छापेमारी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक प्राथमिकी से सामने आया, जिसमें एससीटीएल के प्रवर्तकों और अन्य सहयोगियों द्वारा आईडीबीआई बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के संघ को 988 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

गाजा में बख्तरबंद वाहन के विस्फोटक की चपेट में आने से सात इजराइली सैनिकों की मौतः सेना

एजेंसी (हि.स.)
यरुशलम

फोटोः हि.स.

दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में मंगलवार को एक इजराइली बख्तरबंद वाहन के एक विस्फोटक की चपेट में आने से इजराइल के सात सैनिकों की मौत हो गयी। इजराइली सेना के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सैन्य नियमों के अनुसार, नाम न उजागर करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि छह सैनिकों की पहचान जारी कर दी गयी है जबकि एक की पहचान को गोपनीय रखा गया है।

गाजा में इजराइली सेना के लिए यह घातक घटना है। सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध में अब तक इजराइल के 860 से अधिक सैनिक मारे गए हैं। सेना ने बताया कि खान यूनिस इलाके में ही गोलीबारी में मंगलवार को एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। हमास की सैन्य शाखा अल-कासिम ब्रिगेड्स ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा कि उसने दक्षिणी गाजा पट्टी में एक आवासीय इमारत के अंदर छिपे इजराइली सैनिकों पर घात लगाकर हमला किया। हमास ने बताया कि दक्षिणी खान यूनिस में यासीन 105 मिसाइल और एक अन्य मिसाइल की चपेट में आने से कुछ सैनिकों की मौत हो गयी और अन्य घायल हो गए। अल-कासिम के लड़ाकों ने इसके बाद मशीन गन से इमारत को निशाना बनाया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या ये दोनों घटनाएं एक ही हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि इजराइल के 21 महीने से जारी सैन्य अभियान में गाजा में 56,077 लोगों की मौत हो गयी है। इजराइली पुलिस ने बुधवार को कहा कि वे पूर्वी यरुशलम की एक महिला की मौत की जांच कर रहे हैं जो 'गंभीर चोटों' के साथ एक जांच चौकी पर पहुंची थी और बाद में उसे वहां मृत घोषित कर दिया गया था।

एयर स्ट्राइक के दौरान अभिनंदन को पकड़ने वाला पाकिस्तान का मेजर मोइज मारा गया

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

फोटोः हि.स.

पाकिस्तान आर्मी स्पेशल सर्विस ग्रुप का मेजर सैयद मोइज अब्बास शाह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीडीपी) के आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया। यह वही अफसर बताया जा रहा है, जिसने बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान भारतीय वायु सेना के तत्कालीन विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को फाइटर जेट क्रैश होने के बाद पकड़ लिया था। यह मुठभेड़ मंगलवार को दक्षिणी वजीरिस्तान में हुई। मुठभेड़ में 11 आतंकियों के मारे जाने का भी दावा किया जा रहा है।

पाकिस्तान के चैनल दुनिया न्यूज की खबर के अनुसार पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया और जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने दक्षिण वजीरिस्तान जिले के सरोगा क्षेत्र में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान 11 आतंकवादियों को मार गिराया। इस हमले में सात आतंकवादी घायल भी हुए हैं। हालांकि, भीषण गोलीबारी के दौरान मेजर सैयद मोइज अब्बास शाह और लांस नायक जिब्रान उल्लाह की जान चली गई। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस की सूचना से इतर खबरों में कहा जा रहा है कि मेजर सैयद मोइज अब्बास शाह ने ही फरवरी, 2019 में बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान भारतीय वायु सेना के तत्कालीन विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकड़ा था। मेजर शाह का मुठभेड़ में मारा जाना पाकिस्तान आर्मी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। अभिनंदन वर्धमान अब ग्रुप कैप्टन हैं। इंडियन एयरफोर्स के जांबाज अफसर अभिनंदन पाकिस्तान से जब लौटे थे, तो सारे देश ने उन्हें सलामी दी थी। अभिनंदन वर्धमान को उनकी वीरता के लिए भारत ने वीर चक्र पुरस्कार से नवाजा है।

इतिहास संयुक्त राष्ट्र यह अंतरराष्ट्रीय संगठन औपचारिक रूप से 24 अक्टूबर 1945 को वजूद में आया

संयुक्त राष्ट्र के घोषणा पत्र पर 50 देशों ने किए हस्ताक्षर

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

❍ दुनिया के लगभग सभी देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले इस संगठन का मुख्यालय न्यूयार्क में है

देश-दुनिया के इतिहास में वैसे तो हर तारीख का अहम स्थान है। मगर 26 जून की तारीख का संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में खास महत्व है। संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक महत्व, युद्ध को टालने में उसकी भूमिका, कमजोर देशों को दी जाने वाली सहायता और शांति स्थापना में उसके योगदान से सभी वाकिफ हैं। यह अंतरराष्ट्रीय संगठन औपचारिक रूप से 24 अक्टूबर 1945 को वजूद में आया, लेकिन इसके घोषणापत्र को उसी वर्ष 26 जून को स्वीकार कर लिया गया था और इसपर 50 देशों के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए थे। आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की आग से बचाना और हर परिस्थिति में मानव अधिकारों की रक्षा करना इस संगठन के प्रारंभिक दायित्वों में शामिल थे। वक्त गुजरने के साथ साथ संगठन के कार्य और दायित्वों का विस्तार होता चला गया। आज दुनिया के लगभग सभी देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले इस संगठन का मुख्यालय न्यूयार्क में है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1498: चीन में पहला टूथ ब्रश बनाया गया। आधुनिक टूथ ब्रश के पहले मॉडल को चीन के राजा ने पेटेंट कराया था।
1714: स्पेन और नीदरलैंड ने व्यापार एवं शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
1945: सैन फ्रांसिस्को में 50 देशों ने संयुक्त राष्ट्र घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए।
1949: बेल्जियम के संसदीय चुनाव में पहली बार महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला।
1976: कनाडा के टोरंटो में सीएन टॉवर को जनता के लिए खोला गया। 1,815 फुट की यह इमारत उस समय दुनिया की सबसे ऊंची इमारत थी।
1982: एयर इंडिया का पहला बोइंग विमान 'गौरीशंकर' बम्बई (अब मुंबई) में दुर्घटनाग्रस्त।
1992: भारत ने 'तीन बीघा गलियारा' 999 वर्ष के लिए बांग्लादेश को पट्टे पर दिया।
1999: अमेरिकी ऊर्जा विभाग के हथियार कार्यक्रम के प्रमुख विक्टर रीस का इस्तीफा।
1999: बुडापेस्ट (हंगरी) में विश्व विज्ञान सम्मेलन की शुरुआत।
2000: बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल की पूर्ण सदस्यता प्रदान की गई।
2004: पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जमाली का इस्तीफा। शुजात हुसैन नए कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने।
2008: बहुराष्ट्रीय कंपनी रियोरिटो ने मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में हीरा खनन के लिए खनिज पट्टा माइनिंग लीज हासिल कर बंदर डायमंड प्रोजेक्ट शुरू करने की घोषणा की।

जन्म

1873: भारतीय गायिका और नर्तकी गौहर जान।
1838: बांग्ला उपन्यासकार बंकिमचंद्र चटर्जी।
1967: जैन धर्म के भारतीय दिगम्बर पंथ के मुनि तरुण सागर।
1969: भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीयमंत्री धर्मेन्द्र प्रधान।

निधन

2001: भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के सह संस्थापक गोपाल रामानुजम।
2004: मशहूर भारतीय फिल्म निमार्ता यश जौहर।
महत्वपूर्ण दिवसः नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं उनकी तस्करी के विरुद्ध विश्व दिवस

नीरज चोपड़ा ने जीता ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 का खिताब

तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर का शानदार थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया

एजेंसी (हि.स.)

ओस्ट्रावा (चेक गणराज्य)

भारत के भाला फेंक सितारे और मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को 64वें ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक प्रतियोगिता में पुरुष भाला फेंक स्पर्धा का खिताब जीत लिया। यह विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर (गोल्ड लेवल) का प्रतिष्ठित आयोजन था। 27 वर्षीय नीरज ने तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर का शानदार थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के डोउ स्मिट 84.12 मीटर के साथ दूसरे और ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.63 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

दक्षिण अफ्रीका के डोउ स्मिट 84.12 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर

यह नीरज चोपड़ा की मौजूदा सत्र की तीसरी जीत है। प्रतियोगिता की शुरूआत नीरज ने एक फाउल थ्रो के साथ की थी। दूसरे प्रयास में उन्होंने 83.45 मीटर फेंका और फिर तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर का थ्रो कर बढ़त बना ली। इसके बाद उनके चौथे, पांचवें और छठे प्रयास क्रमशः 82.17 मीटर, 81.01 मीटर और फाउल रहे।

नीरज ने अपने सीजन की शुरूआत साउथ अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में हुई एक इनविटेशनल मीट से की थी, जहां उन्होंने 84.52 मीटर के थ्रो से जीत दर्ज की थी।

इसके बाद उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का थ्रो कर पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया, जो उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हालांकि, इस मुकाबले में वह

फोटोः हि.स.

जर्मनी के जूलियन वेबर से पीछे रह गए थे, जिन्होंने 91.06 मीटर फेंककर जीत हासिल की।

बाद में पोलैंड के चॉर्जी में हुए जानुस्ज कुसोचिंस्की मेमोरियल में भी नीरज (84.14 मीटर) दूसरे स्थान पर रहे, जबकि वेबर ने 86.12 मीटर के थ्रो से पहला स्थान पाया।

लेकिन पेरिस डायमंड लीग में नीरज ने वापसी करते हुए वेबर को पछाड़ा और अपने पहले ही प्रयास में 88.16 मीटर के थ्रो से खिताब जीता।

नीरज अब अगली बार 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतिरवा स्टेडियम में होने वाली नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेंगे। यह भारत में पहली बार होने वाली अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता होगी। यह आयोजन नीरज चोपड़ा, जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

यह भारत में अब तक का सबसे उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स आयोजन होगा।

भारत ने गंवाया लीड्स टेस्ट, इंग्लैंड ने हासिल की रिकॉर्डतोड़ जीत

मेजबान टीम ने 5 विकेट खोकर हासिल किया 371 रन का लक्ष्य, सीरीज में 1-0 की बढ़त

एजेंसी (हि.स.)

लीड्स

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ खेले गए लीड्स टेस्ट में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट से जीत दर्ज की और पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे मेजबान टीम ने केवल पांच विकेट खोकर अंतिम दिन हासिल कर लिया।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने दिखाया दम

खेल के पांचवें दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 350 रन बनाने थे, लेकिन बेन डकेट (149) और जैक क्रॉली (65) ने 188 रन की दमदार साझेदारी कर भारत को बैकफुट पर ढकेल दिया। डकेट ने अपने करियर का छठा टेस्ट शतक जड़ा और 149 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। हालांकि बीच में भारत को थोड़ी उम्मीद तब बंधी जब ऑली पोप और हैरी ब्रूक लगातार दो गेंदों में आउट हो गए, लेकिन इसके बाद कप्तान बेन स्टोक्स (33) और जो रूट (नाबाद 53) ने साझेदारी कर इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। जैमी स्मिथ भी 44 रन बनाकर अंत तक रूट के साथ टिके रहे और इंग्लैंड को जीत दिलाई।

फोटोः हि.स.

भारतीय गेंदबाज और फील्डिंग रही बेदम

भारत की हार में उसकी गेंदबाजी और फील्डिंग दोनों कमजोर कड़ी साबित हुईं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज एक भी विकेट नहीं ले सके। शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट जरूर लिए लेकिन वे काफी महंगे साबित हुए। इसके अलावा भारत ने मैच में कुल 6 कैच टपकाए, जिनमें से चार अकेले यशस्वी जायसवाल ने छोड़े।

श्रृंखला में इंग्लैंड को बढ़त

इस जीत के साथ इंग्लैंड ने पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की अहम बढ़त बना ली है। भारत को अब वापसी के लिए अगले टेस्ट में बेहतर गेंदबाजी और फील्डिंग प्रदर्शन की जरूरत होगी।

ओलंपिक चैंपियन फ्रेजर-प्राइस नेशनल चैंपियनशिप के साथ करेंगी करियर का समापन

एजेंसी (हि.स.)

न्यूयार्क

जमैका की दिग्गज धाविका और तीन बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शेली-ऐन फ्रेजर-प्राइस ने घोषणा की है कि वह इस सप्ताह से शुरू हो रही जमैका राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने करियर की अंतिम दौड़ लगाएँगी। यह मुकाबला उनके शानदार और ऐतिहासिक करियर का अंतिम राष्ट्रीय पड़ाव होगा।

38 वर्षीय फ्रेजर-प्राइस ने पहले ही 2025 में ट्रैक पर वापसी की घोषणा की थी, जिसे उनके अंतिम प्रतिस्पर्धी वर्ष के रूप में देखा जा रहा था। उन्होंने कहा था कि उनका ट्रैक पर ₹अब भी अधूरा काम बाकी है₹। मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को एक नाइकी कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, ॖयह मेरे लिए एक विशेष क्षण होगा, क्योंकि अब खोने के लिए कुछ नहीं है, बल्कि सब कुछ पाने को है। फ्रेजर-प्राइस ने 2008 और 2012 ओलंपिक में लगातार दो बार 100

फोटोः हि.स.

मीटर का स्वर्ण पदक जीता था और 10 बार की विश्व चैंपियन रह चुकी हैं। इस साल की विश्व चैंपियनशिप, जो 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित की जाएगी, के लिए यह चैंपियनशिप एक क्वालिफाइंग इवेंट भी है। हालांकि, फ्रेजर-प्राइस के लिए पिछली बार का पेरिस ओलंपिक निराशाजनक रहा था, जब वह वॉर्म-अप के दौरान चोटिल हो गई थीं और 100 मीटर सेमीफाइनल में हिस्सा नहीं ले सकी थीं। फ्रेजर-प्राइस का यह फैसला ट्रैक और फील्ड की दुनिया के लिए एक युग के अंत जैसा है, जिन्होंने न केवल पदक जीते, बल्कि एक आदर्श और प्रेरणा के रूप में भी खुद को स्थापित किया।

बायर्न म्यूनिख को हराकर बेनफिका ग्रुप सी में शीर्ष पर

चार्लोट (अमेरिका)। एंड्रियास श्जेल्डरुप के 13वें मिनट में किए गए गोल की मदद से बेनफिका ने क्लब विश्व कप फुटबॉल टूनार्मेंट के मंगलवार को यहां भीषण गर्मी में खेले गए मैच में बायर्न म्यूनिख पर 1-0 से जीत हासिल की, जिससे पुर्तगाल का यह क्लब ग्रुप सी में शीर्ष पर पहुंच गया। इस हार के कारण बायर्न म्यूनिख दूसरे स्थान पर खिसक गया जबकि बोका जूनियर्स को बाहर का रास्ता देखना पड़ा। यह मैच 36 डिग्री सेल्सियस के तापमान में खेला गया। बेनफिका के विंगर जियानलुका प्रेस्टियानी को गर्मी से संबंधित समस्याओं के कारण 25वें मिनट में उपचार लेना पड़ा और आखिर में वह 55वें मिनट में मैदान छोड़कर बाहर चले गए। इससे पहले श्जेल्डरुप ने फ्रेडरिक ऑर्न्स के क्रॉस पर पेनल्टी स्पॉट के पास से दाहिने पैर से शॉट लगाकर गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप : निकोलस जैक्सन पर रेड कार्ड के लिए दो मैचों का प्रतिबंध

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

चेल्सी के स्ट्राइकर निकोलस जैक्सन को फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के दौरान फ्लेमिंगो के खिलाफ 3-1 से मिली हार में रेड कार्ड मिलने के बाद दो मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है। यह फैसला फीफा की अनुशासन समिति ने लिया है। जैक्सन दूसरे हाफ में मैदान पर आने के महज चार मिनट बाद ही फ्लेमिंगो के खिलाड़ी आयर्टन लुकास पर खतरनाक स्टड्स-अप टैकल करने के कारण सीधे रेड कार्ड पा बैठे। यह उनका पिछले चार मुकाबलों में दूसरा रेड कार्ड है।

24 वर्षीय जैक्सन को शुरूआत में एक मैच का स्वतः निलंबन दिया गया था, जिससे वह मंगलवार को एस्पेरांस स्पोर्टिव डी ट्यूनिस के खिलाफ होने वाले ग्रुप स्टेज के अंतिम मुकाबले से बाहर हो गए हैं। हालांकि, फीफा की अनुशासन समिति ने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए इसे ₹गंभीर

फोटोः हि.स.

फाउल प्ले₹ की श्रेणी में रखा और प्रतिबंध को बढ़ा दिया।

फीफा ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, ₹निकोलस जैक्सन को फीफा अनुशासन संहिता के अनुच्छेद 14, पैरा 1 (ई) के उल्लंघन के तहत दो मैचों का निलंबन दिया गया है। यह निर्णय अंतिम है और इसके खिलाफ कोई अपील नहीं की जा सकती।₹

मैच के बाद जैक्सन ने सोशल मीडिया पर अपने व्यवहार के लिए माफी भी मांगी थी। अगर चेल्सी अगले चरण यानी प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचती है, तो जैक्सन उस मुकाबले में भी नहीं खेल पाएंगे।

भारत को दूसरे टेस्ट में कुलदीप को खिलाना चाहिएः मोंटी पनेसर

नई दल्ली। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर का मानना है कि भारत को बर्मिंघम में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की जगह कुलदीप यादव को मौका देना चाहिए जहां स्पिनर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारतीय गेंदबाज लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में 371 रन के लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाए जिसके बाद मेहमान टीम के आक्रमण को लेकर सवाल उठने लग गए हैं। पनेसर ने पीटीआई वीडियो से कहा, एजबेस्टन में भारत रविंद्र जडेजा को अंतिम एकादश में बरकरार रख सकता है और कुलदीप यादव को एक्स फैक्टर के रूप में टीम में शामिल कर सकता है। एजबेस्टन का विकेट थोड़ा टर्न लेता है। इसलिए आपके पास वह एक्स फैक्टर है, जो मुझे लगता है कि बेहतर विकल्प होगा। उसमें कुछ खास बात है। उन्होंने कहा, कुलदीप को टर्निंग ट्रैक की जरूरत नहीं है। हमने आईपीएल के दौरान देखा कि वह विकेट से खास टर्न नहीं मिलने के बावजूद बल्लेबाजों को परेशानी में डाल सकता है। पनेसर ने कहा, अगर शार्दुल ठाकुर केवल छह से आठ ओवर ही गेंदबाजी करेंगे और पूरे दिन में 15 ओवर भी नहीं कर पाएंगे तो उन्हें टीम में रखने का कोई मतलब नहीं है।

हमारी योजना 430-435 का लक्ष्य देने की थी, निचले क्रम ने निराश कियाः गिल

एजेंसी (हि.स.)

लीड्स

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के हाथों 371 रन का विशाल लक्ष्य गंवाने के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने बल्लेबाजी और फील्डिंग में हुई गलतियों पर निराशा जताई। गिल ने बताया कि टीम की योजना इंग्लैंड को 430-435 रन का लक्ष्य देने की थी, लेकिन निचले क्रम की लगातार दूसरी नाकामी ने भारत को सिर्फ 364 रन तक सीमित कर दिया। गिल ने मंगलवार को मैच के बाद कहा, ₹ हमारी योजना थी कि हम लगभग 430-435 का लक्ष्य देकर डिक्लेयर करेंगे।

लेकिन हमारे आखिरी छह विकेट सिर्फ 31 रन जोड़ सके, जो निश्चित ही हमारे लिए अच्छी बात नहीं थी।₹ भारत ने पहली पारी में अंतिम सात विकेट 41 रन पर गंवाए थे, जबकि दूसरी पारी में छह विकेट सिर्फ 31 रन में गिर गए। गिल ने कहा कि टीम इस कमजोरी को सुधारने के प्रयास में है। गिल ने कहा,

फोटोः हि.स.

₹हां, हमने इस पर चर्चा की थी, लेकिन जब आप मैदान पर होते हैं, तो सब कुछ बहुत जल्दी होता है। हमें इस तरह के पतनों से बचना होगा, और फील्डिंग में सुधार करना होगा। मैच के दौरान भारत ने कुल सात कैच छोड़े, जिनमें से दो अंतिम पारी में थे। इनमें बेन डकेट भी शामिल रहे, जिन्हें दो बार जीवनदान मिला और उन्होंने 170 गेंदों पर 149 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली। गिल ने कहा, ₹ऐसी विकेटों पर मौके बार-बार नहीं मिलते, और हमने कई कैच छोड़े। लेकिन हमारी टीम युवा है, सीखने की प्रक्रिया में है। उम्मीद है कि अगले मैचों में हम इसमें सुधार करेंगे।

नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ मनाया जाता हैं अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 26 जून को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य अवैध दवाओं और समाज के लिए उनके कारण उत्पन्न होने वाली बड़ी समस्या के बारे में जागरूकता फैलाना है। वहीं युवाओं को भी नशे से दूर रहने और भविष्य में इससे होनी वाली समस्याओं के असर के बारे में समझाना है। इस दिन के माध्यम से सरकारों और समुदायों को प्रोत्साहित किया जा सकता है कि किस तरह से अवैध तस्करी के खिलाफ लड़ सकें। आइए जानते हैं इस दिन का इतिहास, थीम और महत्व।

इतिहास

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ 1987 को अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाने की घोषणा की थी। 7 दिसंबर 1987 को प्रस्ताव पारित किया गया था। इसके बाद पहली बार 26 जून 1988 को मनाया गया था। इसके बाद से यह दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस को विश्व मादक पदार्थ दिवस भी कहा जाता है। इस दिन के माध्यम से लोगों को नशा मुक्त समाज का निर्माण करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

थीम

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर किसी विशेष थीम की घोषणा की जाती है। यह थीम उस समय की समस्याओं पर आधारित होती है। इस साल इस दिवस की थीम 'बाधाओं को तोड़नाः सभी के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्प्राप्ति' है। इस थीम के माध्यम से नशे को रोकने और लोगों को जागरुक करने के लिए अहम्कदम उठाने की जरुरत है।

महत्व

नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस का बहुत महत्व होता है। इस दिन के माध्यम से नशीली दवाओं के सेवन के खतरों और परिणामों के बारे में जागरुक किया जाता है और लोगों को नशीली दवाओं के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित किया जाता है। नशीली दवाओं के सेवन से प्रभावित लोगों के लिए समर्थन और सहायता। साथ ही उपचार और पुनर्वास सेवाओं को बढ़ावा देना है। इस दिन से अवैध तस्करी के खिलाफ लड़ने के लिए सरकारों और समुदायों को प्रोत्साहित करना होता है। नशीली दवाओं की तस्करी को रोकने के लिए कानूनों और नीतियों को मजबूत करता है। नशीली दवाओं के सेवन और अवैध तस्करी के खिलाफ लड़कर एक सुरक्षित और स्वस्थ समाज का निर्माण करना है। लोगों को नशीली दवाओं के सेवन से बचने और स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिन दुनिया भर में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

कांग्रेस स्वाभाविक रूप से लोकतंत्र विरोधी : मोहन लाल बड़ौली

हरियाणा भाजपा अध्यक्ष बोले- कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर संविधान को कुचला और नागरिकों के अधिकारों को बंधक बनाया

संवाददाता
पंचकूला/चंडीगढ़

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर बुधवार को भाजपा ने प्रदेश भर में कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों को आपातकाल के काले दौर की याद दिलाई और जिला स्तर पर हुए कार्यक्रमों में लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया गया। पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय ह्यह्यपंचकमल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने प्रेसवार्ता कर कांग्रेस द्वारा थोपे गए आपातकाल को इतिहास का काला अध्याय बताया और कहा कि कांग्रेस आज भी स्वाभाविक रूप से लोकतंत्र विरोधी पार्टी है। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर न केवल संविधान को कुचला बल्कि प्रेस की आजादी और नागरिकों के अधिकारों को बंधक बनाया।इस मौके पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, विधायक शक्ति रानी शर्मा, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, प्रदेश मीडिया सह प्रमुख नवीन गर्ग भी मौजूद रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 25 जून 1975 की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोप दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब-जब संकट में होती है तब-तब संविधान और देश की आत्मा को ताक पर रखने से पीछे नहीं हटती। उन्होंनें कहा कि आपातकाल के 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है। कांग्रेस ने तरीकों को बदला है, कांग्रेस की नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है। उन्होंने कहा कि संविधान की हत्या करने वालों और इस घटना से लोगों को हुई तकलीफों के बारे में आज की पीढ़ी को जानकारी होना जरूरी है।

श्री बड़ौली ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इंदिरा गांधी को चुनावी कदाचार और चुनावी भ्रष्टाचार का दोषी पाया और इंदिरा गांधी की सदस्यता को रद्द कर दिया था, ऐसे वह छह साल तक चुनाव नहीं लड़ सकती थी और ना ही लोकसभा की कार्यवाही में भाग ले सकती थी। श्री बड़ौली ने कहा कि इंदिरा गांधी ने घबराकर संविधान के अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग करते हुए देश पर आपातकाल थोप दिया। कांग्रेस ने रातों-रात प्रेस की बिजली कटवाई और नेताओं को बंदी बनाया ॥जपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 1975 में आपातकाल की घोषणा कोई राष्ट्रीय संकट का नतीजा नहीं थी, बल्कि यह एक डरी हुई प्रधानमंत्री की सत्ता बचाने की रणनीति थी, जिसे न्यायपालिका से मिली चुनौती से बौखला कर थोपा गया था। श्री बड़ौली ने कहा कि इंदिरा गांधी को चाहिए था कि नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दें, लेकिन इंदिरा गांधी ने पूरी व्यवस्था को कठपुतली बनाकर रखने का षड़यंत्र रच दिया।

कांग्रेस को घेरते हुए श्री बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का आज भी वही रवैया है। आपातकाल के दौरान एक परिवार को संविधान से ऊपर रखने वाली कांग्रेस आज भी राहुल-प्रियंका के इर्द-गिर्द सिमटी हुई है और सत्ता की चाबी अब भी सिर्फ खानदानी जेब में रखी जाती है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने का नाटक रच रहे राहुल गांधी यह कैसे भूल जाते हैं कि उनकी दादी इंदिरा ने दिल्ली की तुर्कमान गेट पर अपने घरों को बचाने के लिए गुहार लगाने वाले गरीबों पर गोलिया चलवाई थी। कांग्रेस इस तरह गरीबी हटाओ के नारे को चरितार्थ कर रही थी।

श्री बड़ौली ने कहा कि इंदिरा गांधी ने मीसा जैसे काले कानूनों के जरिए एक लाख से अधिक नागरिकों को बिना किसी मुकदमे के जेलों में ठूंसा। विरोध करने वाले नेताओं जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और राजनाथ सिंह सहित तमाम वरिष्ठ विपक्षी के अलावा छात्रों को जेलों में भरकर यातनाएं दी गई। श्री बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस ने लोकतंत्र के साथ इतना बड़ा विश्वासघात किया लेकिन आज भी वह अपने किए के लिए न तो माफी मांगती है और न ही पछतावा प्रकट करती है। आज संविधान बचाओ का नारा देने वाली कांग्रेस वही पार्टी है जिसने संविधान को सबसे पहले और सबसे गहराई से रौंदा था।

कांग्रेस ने क्रूरता की हदें पार की, लोगों की जबरदस्ती नसबंदी कराई : ज्ञानंचद गुप्ता

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने भी प्रेस को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस को निशाना पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने क्रूरता की हदें पार की। लोगों की जबरदस्ती नसबंदी की गई। आपातकाल के दौरान यदि किसी नागरिक को गोली मार दी जाए, तब भी उसे अदालत में जाने का अधिकार नहीं है। कांग्रेस आज संविधान की दुआई देती घूम रही है उसे अपने अतीत में झांककर देख लेना चाहिए। ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि आपातकाल में कांग्रेस ने इशारों पर ना चलने वाले जजों को या तो हटा दिया या फिर उनका ट्रांसफर कर दिया। उन्होंने कहा हिक कांग्रेस न सिर्फ अपनी सत्ता को बचाने के लिए बल्कि वैचारिक एजेंडा थोपने के लिए भी संविधान के साथ खिलवाड़ किया। संविधान में संशोधन कर धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी जैसे शब्द जोड़े गए, ताकि कांग्रेस अपने वैचारिक एजेंडे को राष्ट्र पर थोप सके। ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी उस समय साधारण कार्यकर्ता हुआ करते थे और उनके जैसे लाखों समर्पित स्वयंसेवकों ने रातों-रात रेलों में पर्चे बांटे, संदेश पहुंचाए और कांग्रेस की सच्चाई हर गांव और गली तक पहुंचाई। कांग्रेस की तानाशाही का विरोध केवल राजनीतिक नहीं था, यह भारत की आत्मा की रक्षा का आंदोलन था जिसमें राष्ट्रवादियों ने जान की बाजी लगाई। आपातकाल गांधी परिवार की उस सोच का परिचायक था, जिसमें स्पष्ट हो गया था कि उनके लिए पार्टी और सत्ता परिवार के लिए होती है, देश और संविधान के लिए नहीं।

चले श्याम सुंदर से मिलने सुदामा...

संवाददाता
चंडीगढ़

श्री सनातन धर्म मंदिर, सैक्टर 32 डी के मंदिर परिसर मे सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के विराम के अवसर पर सुबह हवन यज्ञ हुआ। कथा में कथा व्यास गणेशानंद शास्त्री जी महाराज द्वारा कथा प्रारंभ में भगवान के अनेक प्रसंगो के साथ कृष्ण-सुदामा मिलन प्रसंग कथा में बताया कि कैसे गरीब ब्राह्मण सुदामा अपनी पत्नी सुशीला के कहने पर ना चाहते हुए भी द्वारिका जाने को तैयार होते हैं। सुदामा को कृष्ण से मिलने से द्वारपाल रोकता है। सखा कृष्ण सुदामा से मिलने के लिए अपने सिंहासन से उतरकर नंगे पांव दौड़ पड़ते हैं। इसके बाद कृष्ण सुदामा को गले लगा कर बचपन की बाते करते हैं। अंत में सुदामा के अपने गांव जाने पूर्व श्री कृष्ण सुदामा के घर को महल में तब्दील कर धन-धान्य से भरपूर करने का प्रसंग कथा और गीत के माध्यम से सुनाए। कथाव्यास ने अपनी मधुर आवाज में अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो, दर पे सुदामा गरीब आ गया है, चले श्याम सुंदर से मिलने सुदामा इत्यादि भजन गाए तो भक्तजन नृत्य करने लगे। इस दौरान समस्त आयोजक गर्ग परिवार, गोयल परिवार एवं मित्तल परिवार एवं बड़ी संख्या में भक्तों सहित महिला संर्कीतन मण्डली के सदस्यों ने उपस्थिति दी। कार्यक्रम उपरान्त आरती कर प्रसाद / भण्डारा वितरित किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग पिंजौर द्वारा गाँव किरतपुर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संवाददाता
पंचकूला

महिला एवं बाल विकास विभाग बलौक पिंजौर द्वारा गाँव किरतपुर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जॉइंट डायरेक्टर पूनम रमन ने शिरकत की। इस आयोजन का संचालन सीडीपीओ आरू वशिष्ठ की देख रेख में सुपरवाइजर सोनिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं का कुआं पूजन और गर्भवती महिलाओं की गोद भराई का समारोह आयोजित किया गया। साथ ही, एक वर्ष से कम आयु की बच्चियों के लिए केक कटिंग समारोह का आयोजन किया गया और उन्हें उपहार स्वरूप ड्रेस ,खिलौने ,बरतन और विभिन्न गिफ्ट्स प्रदान किए गए। इस दौरान बच्चों के नन्हे चिन्ह भी लिए गए। कार्यक्रम के दौरान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की रैली निकाली गई, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सेल्फी विद डॉटर कार्यक्रम के तहत लोगों ने अपनी बेटियों के साथ सेल्फी ली। इसके अलावा, रेसिपी प्रतियोगिता बेस्ट आउट ऑफ वैसट प्रतियोगिता और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। सीडीपीओ ने जेंडर इनइक्वालिटी के बारे में सभी को विस्तार से जागरूक किया और सेनेटरी नैपकिन के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों के प्रति समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना और उनकी शिक्षा एवं स्वास्थ्य के महत्व को उजागर करना था और ब्लॉक के लोगों जागरूक करना है कि लड़के और लड़की आज दोनों समान है। बेटियां किसी से कम नहीं है।

चंडीगढ़ में उत्तर भारत का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट चालू हुआ

संवाददाता
चंडीगढ़

गृह मंत्रालय (एमएचए) के अतिरिक्त सचिव (यूटी) नितेश व्यास, जो यूटी चंडीगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर हैं, ने चंडीगढ़ के सेक्टर-39 स्थित वाटर वर्क्स में उत्तर भारत के सबसे बड़े फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट का दौरा किया। 2.5 मेगावाट क्षमता का फ्लोटिंग एसपीवी पावर प्लांट चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (सीआरईएसटी) द्वारा चालू किया गया है और यह टिकाऊ ऊर्जा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह लगभग 35 लाख एमयू स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करेगा और हर साल लगभग 2,415 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगा - जबकि सतही वाष्पीकरण को कम करके सालाना लगभग 477.5 मिलियन लीटर पीने योग्य पानी का संरक्षण करेगा। यह पहल जलवायु परिवर्तन कार्य योजना के लक्ष्यों में योगदान देती है और स्वच्छ ऊर्जा के लिए चंडीगढ़ की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

इस यात्रा के दौरान, अतिरिक्त सचिव को सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा नवीकरणीय ऊर्जा (एसएंडटीएंडआरई) तथा निदेशक, एस एंड टी एंड आरई-सह-सीईओ, क्रेस्ट द्वारा परियोजना के बारे में जानकारी दी गई। श्री नितेश व्यास ने हरित ऊर्जा को आगे बढ़ाने तथा यू.टी. चंडीगढ़ को एक आदर्श सौर शहर में बदलने के लिए अभिनव दृष्टिकोण की सराहना की। इस यात्रा के दौरान क्रेस्ट, सीपीडीएल तथा नगर निगम चंडीगढ़ (एमसीसी) के अधिकारी भी मौजूद थे। आज तक क्रेस्ट ने शहर में 89.689 मेगावाट का एसपीवी पावर प्लांट स्थापित किया है।

चौपाल के माध्यम से मानकों के साथ खेतों तक: बीआईएस हरियाणा की अनोखी पहल ग्राम मटौर में आयोजित

संवाददाता
कैथल

भारतीय मानक ब्यूरो (इक्र), हरियाणा शाखा कार्यालय द्वारा आज ग्राम मटौर में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों को भारतीय मानकों के महत्व से जोड़ना है- विशेष रूप से कृषि और घरेलू जीवन में।

कार्यक्रम की शुरूआत गांव के सरपंच द्वारा स्वागत भाषण से हुई, जिसमें गुणवत्ता और ग्रामीण कल्याण पर चर्चा की नींव रखी गई।

इसके पश्चात, सुश्री आरती चौधरी, मानक संवर्धन अधिकारी, बीआईएस हरियाणा ने ग्राम चौपाल के उद्देश्य समझाए। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता सुरक्षा, अधिकारों और बिना जागरूकता के की जाने वाली खरीदारी से होने वाले नुकसान के प्रति सजगता क्यों आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों को नकली या घटिया उत्पादों से निपटने और शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।

इसके बाद, श्री सौरभ चंद्र, उप निदेशक एवं वैज्ञानिक-सी, बीआईएस हरियाणा ने भारतीय मानक ब्यूरो की प्रमुख गतिविधियों जैसे मानकीकरण, प्रमाणन, हॉलमार्किंग और गुणवत्ता संवर्धन के बारे में बताया। उन्होंने कृषि एवं घरेलू उत्पादों से संबंधित महत्वपूर्ण मानकों की जानकारी दी, जिससे ग्रामीण यह समझ सकें कि कैसे ये मानक सुरक्षा, दक्षता और लागत में बचत में मदद करते हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं, किसानों, युवाओं और पंचायती राज प्रतिनिधियों की भागीदारी रही।

संक्षिप्त-समाचार

श्री माता मनसा देवी पर चोला अर्पित करने की ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू

पंचकूला। श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड की मुख्य प्रशासक एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड के मंदिरों में चोला अर्पित करने की ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि 16 जून से 5 जुलाई के दौरान चोला अर्पित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड के श्री माता मनसा देवी मुख्य मंदिर, पटियाला मन्दिर व सती मंदिर पंचकूला, श्री काली माता मंदिर कालका व श्री चण्डीमाता मंदिर, चण्डी मंदिर में देवी को चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाईन बुकिंग प्रक्रिया के माध्यम से माता को दिनांक 16 जून से 5 जुलाई की अवधि के दौरान चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाइन बुकिंग 11 जून प्रातः 10 बजे से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि सभी इच्छुक श्रद्धालु लाभ उठाने के लिए पूजास्थल बोर्ड की वैबसाईट पर रजिस्ट्रेशन कर प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते है। इस वैबसाईट के होम पेज पर ही ऑनलाइन चोला बुकिंग लिंक पर जा कर सीधा चोला बुक किया जा सकता है।

भ्रष्टाचार के मामले में आरोपी पटवारी गिरफ्तार

चंडीगढ़। ए.सी.बी. रोहतक द्वारा कल दिनांक 24.6.2025 को भ्रष्टाचार के मामले के आरोपी सोनू पटवारी (एच.के.आर.एन.) कार्यालय एच.एस.आई.आई.डी.सी., सैक्टर-17 बहादुरगढ को गिरफतार किया गया है। इसके बाद बीती देर रात आरोपी कुलवंत पटवारी, कार्यालय डी.आर.ओ. कम एल.ए.सी. झज्जर व आरोपी सुनील (प्राईवेट व्यक्ति) पुत्र श्री ईश्वर सिंह निवासी गांव पुखरपुर तहसील मानेसर जिला गुरूग्राम को गिरफतार किया गया। तीनो गिरफतार उपरोक्त आरोपियों को आज माननीय न्यायालय, झज्जर में पेश किया जाएगा। शिकायतकर्ता द्वारा एसीबी को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि गांव कसार तहसील बहादुरगढ जिला झज्जर की जमीन का अधिग्रहण सरकार द्वारा वर्ष 2003 में एच.एस.आई.आई.डी.सी., बहादुरगढ के लिये किया गया। इसके बाद भूमि मालिको द्वारा उनकी भूमि मुआवजा बढोतरी के लिये माननीय उच्च न्यायालय चण्डीगढ में याचिका दायर की गई। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा अपने आदेश दिनांक 6.11.2015 को मुआवजा बढोतरी हेतू भूमि मालिको के हक में फैसला सुनाया गया। लेकिन आरोपी सोनू पटवारी, आरोपी कुलवंत पटवारी द्वारा आरोपी सुनील (प्राईवेट व्यक्ति) पुत्र श्री ईश्वर सिंह निवासी गांव पुखरपुर तहसील मानेसर जिला गुरूग्राम के साथ मिलीभगत करके असली मुआवजा मालिको को मुआवजा राशी अदा न करके पूरी तरह गैर कानूनी तरीके से कुल 1,08,74,568/-रू. मुआवजा राशी को आरोपी सुनील उपरोक्त के खाते में ट्रांसफर कर दिया गया।

2820 हजार की रिश्वत मांगने के आरोप में पुलिस उप निरीक्षक गिरफ्तार

चंडीगढ़। एसीबी करनाल द्वारा 25.6.2025 को आरोपी पुलिस उप निरीक्षक अजायब सिंह को शिकायतकर्ता से 20,000/-रुपए (बीस हजार रू.) नकद रिश्वत लेते थाना निसिंग जिला करनाल से रंगे हाथो गिरफ्तार किया गया है तथा आरोपी के विरूद्ध अभियोग संख्या 17 दिनांक 25.6.2025 धारा 7 पीसी एक्ट 1988 थाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, करनाल में दर्ज किया गया है। कल दिनांक 26.6.2025 को आरोपी पुलिस उप निरीक्षक अजायब सिंह को एसीबी द्वारा माननीय न्यायालय करनाल में पेश किया जाऐगा। शिकायतकर्ता ने एसीबी करनाल को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि वह खेती बाड़ी का काम करता है। उसके द्वारा वर्ष 2019-2020 में पोल्ट्री फार्म चलाने का कार्य किया गया था तथा उसके द्वारा पोल्ट्री की फीड राजीव शाह वासी न्यू शिवाजी कॉलोनी करनाल से खरीद की जाती थी। पोल्ट्री फीड खरीद के सम्बन्ध में राजीव उपरोक्त के साथ उसका पैसे लेन-देन का आपसी झगड़ा चल रहा है। जिस बारे राजीव उपरोक्त द्वारा उसके विरूद्ध शिकायत थाना निसिंग जिला करनाल में दी गई है। शिकायत के सम्बन्ध वह पुलिस उप निरीक्षक अजायब सिंह तफतीशी अधिकारी, थाना निसिंग से मिला तो उसने उसके विरूद्ध राजीव उपरोक्त द्वारा दी गई शिकायत को रफा दफा करने की एवज में 40,000/-रुपए नकद रिश्वत की माँग की गई।

शुभारंभ

सोनिया रस्तोगी ने पुस्तकालयों का किया विधिवत उद्घाटन

बच्चों के विकास के लिए बुदनपुर और केदारपुर में आंगनवाड़ी केंद्रों में पुस्तकालयों का हुआ उदघाटन

संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग (डब्ल्यूसीडी) ने पंचकूला के गांव बुदनपुर और गांव केदारपुर में आंगनवाड़ी केंद्रों में पुस्तकालयों के उद्घाटन के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्रीमती सोनिया रस्तोगी ने पुस्तकालयों का विधिवत उद्घाटन किया। हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी की पत्नी हैं श्रीमती सोनिया रस्तोगी। इस अवसर पर कई आईएएस अधिकारियों की पत्नियों के संघ को 10 सीलिंग पंखे, 4 वाटर प्यूरीफायर, हाथ की कठपुतलियाँ, बिल्डिंग ब्लॉक, जानवरों के खिलौने, कहानी की किताबें और रंग भरने वाली किताबें दान स्वरूप भेंट की। इस पहल का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों में अच्छी तरह से सुसज्जित और जीवंत स्थानों के माध्यम से प्रारंभिक बचपन की शिक्षा और आनंददायक शिक्षा को बढ़ावा देना।

सोनिया रस्तोगी ने कहा कि जिन्होंने जिला पंचकूला में आंगनवाड़ी केंद्रों की मरम्मत और उन्नयन के लिए समर्थन जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, पुस्तकालयों के लिए सामग्री की व्यवस्था करने के अलावा, बेहतर बाल कल्याण सेवाओं के लिए विभाग के दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की पूर्व महानिदेशक डॉ. उषा गुप्ता, श्रीमती रितु अग्रवाल, श्रीमती प्रिंक्या गुप्ता, श्रीमती जूही मीना और श्रीमती सुभी खत्री भी शामिल हुईं।

गांव केदारपुर के आंगनवाड़ी केंद्र में, समारोह में गर्भवती महिलाओं के लिए गोद भराई समारोह, बालिका जन्म का जश्न मनाने के लिए केक काटना और वृक्षारोपण जैसी कई आकर्षक सामुदायिक गतिविधियाँ शामिल थीं, जो बच्चों और पर्यावरण दोनों के विकास और पोषण का प्रतीक हैं। इसके अलावा, पुस्तकालय उद्घाटन अवसर पर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने प्री-स्कूल गतिविधियों के लिए श्बेस्ट आउट ऑफ वेस्टश सामग्री का प्रदर्शन किया और स्थानीय समुदाय को स्वस्थ बाल-पालन प्रथाओं पर शिक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए कम लागत वाले, पौष्टिक व्यंजनों को प्रदर्शित किया।

डॉ. उषा गुप्ता ने बाजरा (मोटा अनाज) और अंकुरित अनाज के पोषण संबंधी लाभों के महत्व पर बल दिया और उन्होंने महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए इनके महत्व पर जोर दिया। यह पहल महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार और हरियाणा राज्य सरकार के पोषण अभियान और सक्षम आंगनवाड़ी 2.0 के लक्ष्यों के अनुरूप है।

यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों को आंगनवाड़ी-सह-प्री-स्कूल में बदलने के बड़े उद्देश्य में भी योगदान देता है, जिसके तहत राज्य भर में 4,000 से अधिक केंद्रों को पहले ही अपग्रेड किया जा चुका है। कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग ने किया था। विभाग की ओर से श्रीमती राजबाला कटारिया, संयुक्त निदेशक, श्रीमती सविता नेहरा, जिला कार्यक्रम अधिकारी, पंचकूला और श्रीमती आरू वशिष्ठ, डब्ल्यूसीडीपीओ, पिंजौर उपस्थित थीं।

राजबाला कटारिया ने आंगनवाड़ियों और प्लेस्कूलों की बुनियादी जरूरतों जैसे पंखे, वाटर प्यूरीफायर, खिलौने, बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री आदि के लिए आगे आने के लिए आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन द्वारा किए गए योगदान और पहल की सराहना की। उन्होंने एसोसिएशन से दूरदराज के क्षेत्रों में योगदान देने को कहा जहां आंगनवाड़ियों और प्लेस्कूलों में सुविधाओं की कमी है।